

**Time: 2 Hours**

**Max. Marks: 100**

**ITI Paper -3, Allied Laws**

**(Objective Type) (Without Books)**

**10<sup>th</sup> September, 2025 (Shift 2 – 02.30 PM to 04.30 PM)**

**Important Instructions: All questions carry one mark each. For every incorrect attempt 1/8<sup>th</sup> mark shall be deducted. In case of any doubt, the English version may be taken as authentic. Wherever Assessment Year is not given, it may be taken as A.Y. 2025-26. In case of doubt in respect of the answer, choose the most appropriate option for the given question.**

1.	<p>In the context of a joint property, a co-owner can transfer his share under Section 44 of the TOPA Act. However, the transferee:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) <b>Becomes a joint owner with the remaining owners</b></li> <li>b) Acquires the right to possess the entire property</li> <li>c) Has no rights in the property</li> <li>d) Must pay compensation to other co-owners</li> </ul> <p>संयुक्त प्रॉपर्टी के संदर्भ में, एक सह-स्वामी, TOPA अधिनियम की धारा 44 के तहत अपना हिस्सा हस्तांतरित कर सकता है। परन्तु अंतरिती :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) <b>शेष स्वामियों के साथ संयुक्त स्वामी बन जाता है।</b></li> <li>b) सम्पूर्ण प्रॉपर्टी की ग्राह्यता का अधिकारी मिल जाता है</li> <li>c) प्रॉपर्टी में कोई अधिकार नहीं होता</li> <li>d) उसे अन्य सह-स्वामियों को क्षतिपूर्ति देनी होगी</li> </ul>
2.	<p>Which of the following statements regarding the Transfer of Property Act, 1882, is incorrect?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Section 5 defines the term “transfer of property” as an act by which a living person conveys property to one or more living persons or to themselves and one or more other living persons.</li> <li>b) <b>Section 6 states that all properties can be transferred, along with interest in property restricted in its enjoyment to the owner personally.</b></li> <li>c) Section 7 provides that any person competent to contract and entitled to transferable property can transfer such property.</li> <li>d) Section 11 allows the transferor to impose conditions that absolutely restrict the transferee from further transferring the property.</li> </ul> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा गलत है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) धारा 5 “ट्रान्सफर ऑफ प्रॉपर्टी” को एक ऐसे कृत्य के तौर पर परिभाषित करती है जिसके द्वारा एक जीवित व्यक्ति एक या अधिक जीवित व्यक्तियों को प्रॉपर्टी अंतरित अथवा स्वयं अपने को और एक या अधिक अन्य जीवित व्यक्तियों को अंतरित करता है।</li> <li>b) <b>धारा 6 में कहा गया है कि सभी संपत्तियों को हस्तांतरित किया जा सकता है साथ ही संपत्ति में हित को भी उसके स्वामी को व्यक्तिगत रूप से उपयोग करने के लिए</b></li> </ul>

	<p>प्रतिबंधित किया जा सकता है।</p> <p>c) धारा 7 में प्रावधान है के जो कोई व्यक्ति संविदा के लिए सक्षम हो और अंतरण योग्य प्रॉपर्टी के लिए हकदार है, वह ऐसी प्रॉपर्टी को अंतरित कर सकता है।</p> <p>d) धारा 11 अंतरणकर्ता को यह छूट देती है कि वह अंतरिती पर संपत्ति को आगे अंतरित कर पाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा सके।</p>
3.	<p>Under Section 6 of the Transfer of Property Act, which property cannot be transferred?</p> <p>a) An easement apart from the dominant heritage</p> <p>b) Property held by a minor</p> <p>c) Leasehold property</p> <p>d) Agricultural land</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 6 के तहत कौन सी संपत्ति को अंतरित नहीं किया जा सकता ?</p> <p>a) अधिष्ठाई संपत्ति से अतिरिक्त एक सुविधाधिकार</p> <p>b) एक नाबालिग द्वारा ग्रहीत प्रॉपर्टी</p> <p>c) पट्टाधारित संपत्ति</p> <p>d) कृषि योग्य भूमि</p>
4.	<p>Under the Transfer of Property Act, 1882, if a leased property is destroyed due to fire or other calamity, the lessee may:</p> <p>a) Continue to pay rent without right to terminate</p> <p>b) Claim insurance from the lessor</p> <p>c) Terminate the lease without further liability</p> <p>d) Request a rent reduction</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के तहत यदि एक पट्टाधारित प्रॉपर्टी आग या किसी अन्य आपदा के कारण नष्ट हो जाती है तो पट्टेदार:</p> <p>a) समाप्ति के अधिकार के बिना किराया देना जारी रखता है</p> <p>b) पट्टाकर्ता से बीमा का दावा कर सकता है</p> <p>c) बिना किसी दायित्व के पट्टा समाप्त कर सकता है</p> <p>d) किराया कटौती का अनुरोध कर सकता है</p>

5.	<p>Which of the following characteristics are true about a lease transaction as contained in Section 105 of the Transfer of Property Act, 1882:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) A lease is a transfer of the right to enjoy immovable property for a certain time or in perpetuity.</li> <li>(2) Consideration for a lease is usually in the form of a premium or rent.</li> <li>(3) The lessor must transfer ownership of the property to the lessee for the period of the lease.</li> <li>(4) A lease transaction can only be created through a registered document, regardless of its term.</li> </ol> <p>Select the correct option:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) 1 and 2</li> <li>b) 2 and 3</li> <li>c) 1, 2, and 4</li> <li>d) 3 and 4</li> </ol> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 105 में समाविष्ट पट्टा हस्तांतरण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएं सही हैं:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. पट्टे से अभिप्राय एक निश्चित समय तक या निरंतरता में किसी संपत्ति को भोगने का अधिकार है।</li> <li>2. पट्टे का प्रतिफल प्रायः प्रीमियम या किराए के रूप में होता है।</li> <li>3. पट्टाकर्ता द्वारा पट्टेदार को पट्टे की अवधि के दौरान प्रॉपर्टी के स्वामित्व का हस्तांतरण करना होगा</li> <li>4. एक पट्टा संव्यवहार उसकी कालावधि के अनपेक्ष केवल, एक पंजीकृत दस्तावेज के जरिए बनाया जा सकता है।</li> </ol> <p>सही विकल्प का चुनाव करें:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) 1 और 2</li> <li>b) 2 और 3</li> <li>c) 1, 2 और 4</li> <li>d) 3 और 4</li> </ol>
6.	<p>Which of the following statements are correct regarding the transfer of actionable claims under Section 130 of the Transfer of Property Act, 1882?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) An actionable claim cannot be transferred without consideration.</li> <li>(2) A transfer of an actionable claim is complete and effective only when notice of the transfer is given to the debtor.</li> <li>(3) A transfer of an actionable claim must be effected through a written instrument signed by the transferor or their authorized agent.</li> <li>(4) The transfer of actionable claims includes a transfer of the right to sue for the claim.</li> </ol> <p>Choose the correct option:</p>

	<p>a) Only 1 and 2 are correct  b) Only 2 and 4 are correct  c) <b>Only 3 and 4 are correct</b>  d) Only 1, 3, and 4 are correct</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 130 के तहत अनुयोज्य दावों के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. एक अनुयोज्य दावा बिना प्रतिफल के अंतरित नहीं किया जा सकता।</li> <li>2. एक अनुयोज्य दावे का अंतरण पूर्ण एवं प्रभावी तभी माना जाएगा कि जब देनदार को अंतरण का नोटिस दिया जाए।</li> <li>3. एक अनुयोज्य दावे का अंतरण एक लिखित दस्तावेज के रूप में हो जो अंतरणकर्ता या उनके प्राधिकृत एजेंट द्वारा हस्ताक्षरित हो।</li> <li>4. अभियोज्य दावों के अंतरण में, दावों के लिये मुकदमा करने के अधिकार का अंतरण भी शामिल है।</li> </ol> <p>सही विकल्प को चुनें:</p> <p>a) केवल 1 और 2 सही हैं।  b) केवल 2 और 4 सही हैं।  c) <b>केवल 3 और 4 सही हैं।</b>  d) केवल 1, 3 और 4 सही हैं।</p>
7.	<p>Which of the following statements about mortgages under Section 58 of the Transfer of Property Act, 1882, is incorrect?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) In a simple mortgage, the borrower keeps possession of the property.</li> <li>b) In a usufructuary mortgage, the lender can take the property's rent or profits instead of interest.</li> <li>c) In an English mortgage, the lender gets complete ownership of the property but must return it when the loan is repaid.</li> <li>d) <b>In a mortgage by conditional sale, the lender becomes the permanent owner of the property as soon as the loan is given.</b></li> </ol> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 58 के तहत बंधकों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) एक सामान्य बंधक में, आदाता संपत्ति पर कब्जा रखता है।</li> <li>b) एक भोगबंधक में, उधारदाता ब्याज की बजाय प्रॉपर्टी का किराया या लाभांश ले सकता है।</li> <li>c) एक अंग्रेजी बंधक में उधारदाता प्रॉपर्टी का पूर्ण स्वामित्व ले लेता है परन्तु ऋण का भुगतान करने पर इसे वापस लौटाना होगा।</li> <li>d) <b>सशर्त सेल वाले बंधक में, ज्यों ही ऋण दिया जाता है,</b></li> </ol>

	उधारदाता प्रॉपर्टी का स्थाई स्वामी बन जाता है।
8.	<p>Under Section 53 (Fraudulent Transfers) of the Transfer of Property Act, which of the following statements are true regarding the rights of creditors?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. If a debtor transfers immovable property to delay creditors, the transfer is automatically void.</li> <li>2. A fraudulent transfer is voidable at the option of any creditor who is prejudiced by it.</li> <li>3. A transferee acting in good faith and for valid consideration can still retain ownership, even if the transferor's intent was fraudulent.</li> </ol> <p>Choose the correct option:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) Only 1 and 2 are correct</li> <li>b) Only 2 and 3 are correct</li> <li>c) Only 1 and 3 are correct</li> <li>d) All 1, 2, and 3 are correct</li> </ol> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 53 के तहत (कपटपूर्ण अंतरण) लेनदार के अधिकारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन से सही हैं ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. यदि एक देनदार, अंतरण लेनदारों को देरी कराने के लिये अचल संपत्ति का अंतरण करता है तो अंतरण स्वतः ही शून्य हो जाएगा।</li> <li>2. एक कपटपूर्ण अंतरण ऐसे किसी भी लेनदार के विकल्प पर शून्यकरणीय होगा जो इससे प्रभावित हुआ हो।</li> <li>3. सद्भावपूर्वक कार्य करने वाले तथा मान्य प्रतिफल प्राप्त करने वाला अंतरिती, अंतरणकर्ता की मंशा कपटपूर्ण होने पर भी, स्वामित्व धारित किये रह सकता है।</li> </ol> <p>सही विकल्प को चुनें:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) केवल 1 और 2 सही हैं।</li> <li>b) केवल 2 और 3 सही हैं।</li> <li>c) केवल 1 और 3 सही हैं।</li> <li>d) सभी 1, 2 और 3 सही हैं।</li> </ol>
9.	<p>A transfers a life estate to B with a provision that if B alienates the property, it shall revert to A's heirs. Under the Transfer of Property Act, what is the status of this condition?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) It is valid under the doctrine of reversion.</li> <li>b) It is enforceable only if B consents.</li> <li>c) It is void as a restraint on alienation under Section 10.</li> <li>d) It depends on the nature of the transfer under Section 8.</li> </ol>

	<p>A अपनी आजीवन-संपदा B को इस प्रावधान के साथ अंतरित करता है कि यदि B इस संपदा को अन्यसंकमित करता है तो, वह इसे A के वारिसों को वापिस करेगा। संपत्ति अंतरण अधिनियम के तहत इस अवस्था में क्या स्थिति होगी ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>यह प्रत्यावर्तन के सिद्धांत के अनुसार वैध है।</li> <li>यह तभी बाध्यकारी है, जब B सहमत हो</li> <li>यह धारा 10 के तहत अन्यसंकामण पर नियंत्रण के रूप में अमान्य है।</li> <li>यह धारा 8 के तहत अंतरण की प्रकृति पर निर्भर करता है।</li> </ol>
10.	<p>Under Section 49 of the Transfer of Property Act, how does fire insurance on immovable property affect a transferee's rights?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>If the property is insured at the time of transfer, the transferee inherits the benefits of the insurance policy, in the absence of a contract to the contrary.</li> <li>The transferor is obligated to use any insurance payout for reinstating the property, provided no contrary contract exists.</li> <li>The transferee can claim direct compensation from the insurance company after transfer without the transferor's involvement.</li> </ol> <p>Choose the correct option:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Only 1 and 2 are correct</li> <li>Only 2 and 3 are correct</li> <li>Only 1 and 3 are correct</li> <li>All 1, 2, and 3 are correct</li> </ol> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 49 के तहत अचल संपत्ति का अग्नि बीमा, अंतरिती के अधिकारों को किस प्रकार प्रभावित करता है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>यदि अंतरण के समय संपत्ति बीमाकृत है, तो अन्यथा करार न होने पर, अंतरिती को बीमा पॉलिसी के लाभ स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे।</li> <li>अन्यथा करार न होने की स्थिति में अंतरक पॉलिसी के अधीन प्राप्त धन को संपत्ति का यथापूर्वकरण में लगाने के लिये बाध्य है।</li> <li>अंतरण के बाद, अंतरिती, अंतरक के बिना हस्तक्षेप के, बीमा कंपनी से सीधे प्रतिपूर्ति का दावा कर सकता है।</li> </ol> <p>सही विकल्प चुनें:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>केवल 1 और 2 सही हैं।</li> <li>केवल 2 और 3 सही हैं।</li> <li>केवल 1 और 3 सही हैं।</li> <li>सभी 1, 2 और 3 सही हैं।</li> </ol>
11.	<p>When can a charge on an immovable property be enforced as per the Transfer of</p>

	<p>Property Act, 1882?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Only upon court order</li> <li>b) Upon agreement between the parties</li> <li>c) <b>Upon default of payment</b></li> <li>d) Upon the sale of property</li> </ul> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के तहत अचल संपत्ति पर भार कब लागू किया जा सकता है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) केवल न्यायालय आदेश पर</li> <li>b) पार्टियों के बीच सहमति पर</li> <li>c) <b>भुगतान में चूक होने पर</b></li> <li>d) संपत्ति के विक्रय होने पर</li> </ul>
12.	<p>Under Section 52 of the Transfer of Property Act, 1882, a property that is subject to a pending court case cannot be transferred. This concept is referred to as:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Doctrine of Estoppel</li> <li>b) <b>Doctrine of Lis Pendens</b></li> <li>c) Doctrine of Constructive Notice</li> <li>d) Doctrine of Priority</li> </ul> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 52 के तहत, ऐसी संपत्ति का अंतरण नहीं किया जा सकता जो न्यायालय के समक्ष लंबित वाद के अधीन है। इस अवधारणा को कहते हैं</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) विबंधन का सिद्धांत</li> <li>b) <b>विचाराधीन वाद का सिद्धांत</b></li> <li>c) आन्वयिक सूचना का सिद्धांत</li> <li>d) प्राथमिकता का सिद्धांत</li> </ul>
13.	<p>Which of the following is an essential condition for applying the doctrine of part performance under Section 53A of the Transfer of Property Act, 1882 ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) The transferee must have filed a suit for specific performance.</li> <li>b) The transferor must have received full consideration.</li> <li>c) <b>The contract must be written and the transferee must have acted in furtherance of the contract.</b></li> <li>d) The property must have already been registered in the transferee's name.</li> </ul> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 53A के तहत आने वाले भागिक पालन सिद्धांत के लागूकरण की अनिवार्य शर्त क्या है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) विनिर्दिष्ट पालन हेतु अंतरिती ने याचिका दायर कर दी हो</li> </ul>



	<p>b) अंतरितक ने पूर्ण प्रतिफल प्राप्त कर लिया हो</p> <p>c) संविदा लिखित रूप में की गई हो और अंतरिती ने संविदा को बढ़ाने के काम में काम किया हो</p> <p>d) संपत्ति पहले से ही अंतरिती के नाम पर पंजीकृत हो</p>
14.	<p>What happens when an actionable claim is transferred according to Section 130 of the Transfer of Property Act?</p> <p>a) The transfer is complete once the transfer document is signed, even if the debtor doesn't know about it.</p> <p>b) The debtor can ignore the transfer if they haven't received notice about it.</p> <p>c) The transferor must agree before the transferee can sue the debtor.</p> <p>d) The same is valid if fire insurance policy is also transferred the same way as other claims under Section 130.</p> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 130 के अनुसार यदि अनुयोज्य दावे को अंतरित कर दिया जाए तो क्या होता है</p> <p>a) अंतरण दस्तावेज के हस्ताक्षर होने के बाद अंतरण पूर्ण हो जाता है, यद्यपि ऋणी को इस बारे में जानकारी ना हो।</p> <p>b) अगर ऋणी को इस बारे में सूचना प्राप्त नहीं हुई है तो, वह अंतरण की अवहेलना कर सकता है।</p> <p>c) अंतरिती द्वारा देनदार पर मुकदमा दायर करने के पूर्व अंतरक इसके लिये सहमत होना चाहिए।</p> <p>d) धारा 130 के तहत अन्य दावों की तरह यदि अग्नि बीमा पॉलिसी का भी अंतरण कर दिया जाता है तो यह वैध है।</p>
15.	<p>A, B and C have interest in a property in the ratio of 1:1:1 while D's interest in the property is twice that of A and the said property is sold for Rs. 3 crore without mentioning the share of each person in such consideration in the contract, then which of the statements are true in relation to their share in the consideration for the transfer of property?</p> <p>a) D shall be entitled to Rs. 1.2 crores in the property.</p> <p>b) A, B and C shall be entitled to Rs. 50 lakhs each in the property</p> <p>c) Cannot say as the consideration has to be divided based on the terms and conditions mentioned in the contract and therefore such contract needs to be revised to explicitly mention the share of consideration for all the transferors.</p> <p>d) Only (a) and (c) are correct.</p> <p>A, B और C का किसी संपत्ति में 1:1:1 के अनुपात में हिस्सा है, जबकि D का हिस्सा A के हिस्से का दो गुना है और संविदा के प्रतिफल में प्रत्येक व्यक्ति के हिस्से का उल्लेख किए बिना उस संपत्ति को 3 करोड़ रुपये में बेच दिया गया, तो सम्पत्ति के अंतरण हेतु</p>

	<p>प्रतिफल में उनके हिस्से के संबंध के कौन सा कथन सत्य है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>D सम्पत्ति से रु. 1.2 करोड़ का हकदार होगा</li> <li>A, B और C प्रत्येक, सम्पत्ति से रु. 50 लाख के हकदार होंगे</li> <li>कहा नहीं जा सकता क्योंकि, प्रतिफल संविदा में उल्लिखित नियमों एवं शर्तों के अनुसार विभाजित किया जाना है, अतः इस संविदा को सभी अंतरणकर्ताओं को प्राप्य भाग उल्लिखित करते हुए परिशोधित किया जाना चाहिए।</li> <li>केवल (a) और (c) सही है</li> </ol>
16.	<p>Under Section 55 of the Transfer of Property Act, which of the following statements regarding the rights and liabilities of a seller are correct?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>The seller must disclose all material defects in the property, even if the buyer could have discovered them with reasonable diligence.</li> <li>The seller must deliver the property to the buyer only after full payment of the purchase price, unless agreed otherwise.</li> <li>If multiple buyers acquire different parts of the same property, the buyer of the highest-value lot is entitled to retain the original title documents.</li> </ol> <p>Choose the correct option:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Only 1 and 2 are correct</li> <li>Only 2 and 3 are correct</li> <li>Only 1 and 3 are correct</li> <li>All 1, 2, and 3 are correct</li> </ol> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 55 के तहत विक्रेता के अधिकारों एवं दायित्वों के संबंध में निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>यद्यपि केता द्वारा युक्तियुक्त तत्परता से उनका पता लगाया जा सकता हो, तथापि विक्रेता को सम्पत्ति की सभी तात्विक त्रुटियों को उजागर कर देना होगा।</li> <li>जब तक अन्यथा समझौता ना हुआ हो, क्रय मूल्य के पूर्ण भुगतान के बाद ही विक्रेता द्वारा केता को सम्पत्ति का कब्जा सौंपा जाएगा।</li> <li>यदि एक ही सम्पत्ति के अलग-अलग हिस्सों के कई खरीददार हैं, तो जिस खरीददार का अधिकतम मूल्य का हिस्सा होगा वही मूल दस्तावेज रखने का हकदार होगा।</li> </ol> <p>सही विकल्प चुनें</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सिर्फ 1 और 2 सही हैं</li> <li>सिर्फ 2 और 3 सही हैं</li> <li>सिर्फ 1 और 3 सही हैं</li> <li>सभी 1, 2 और 3 सही हैं</li> </ol>
17.	<p>A, B, C, and D jointly own an immovable property with unequal interests. Their</p>

	<p>ownership is as follows:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• A owns 40%,</li> <li>• B owns 25%,</li> <li>• C owns 20%,</li> <li>• D owns 15%.</li> </ul> <p>They sell the property for Rs. 36,00,000, but before the sale, C and D agree in a separate contract to swap their shares equally in another property, but the swap has not been legally recorded. In the absence of any contract to the contrary, how should the sale proceeds be distributed?</p> <p>a) A gets Rs. 14,40,000, B gets Rs. 9,00,000, C gets Rs. 7,20,000, and D gets Rs. 5,40,000.</p> <p>b) A gets Rs. 14,40,000, B gets Rs. 9,00,000, C gets Rs. 6,30,000, and D gets Rs. 6,30,000.</p> <p>c) The proceeds must be split equally among A, B, C, and D since they jointly owned the property.</p> <p>d) A gets Rs. 14,00,000, B gets Rs. 9,00,000, C gets Rs. 7,00,000, and D gets Rs. 6,00,000.</p> <p>A, B, C और D एक अचल संपत्ति के, असमान हिस्सेदारी के संयुक्त स्वामी हैं। उनका स्वामित्व निम्न प्रकार है:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• A का स्वामित्व 40 प्रतिशत है</li> <li>• B का स्वामित्व 25 प्रतिशत है</li> <li>• C का स्वामित्व 20 प्रतिशत है</li> <li>• D का स्वामित्व 15 प्रतिशत है</li> </ul> <p>उन्होंने उस संपत्ति को रु. 36,00,000/- में बेच दिया, लेकिन बेचने से पहले C और D ने किसी अलग संविदा में समझौता किया कि वे अपने हिस्से की किसी अन्य संपत्ति में अदला-बदली करेंगे, पर यह अदला बदली वैध रूप से अभिलिखित नहीं की गई। कोई अन्यथा अनुबंध नहीं होने की स्थिति में, विक्रय राशि को कैसे बांटा जाएगा ?</p> <p>a) A को रु. 14,40,000/-, B को रु. 9,00,000/-, C को रु. 7,20,000/- तथा D को रु. 5,40,000/- प्राप्त होंगे</p> <p>b) A को रु. 14,40,000/-, B को रु. 9,00,000/-, C को रु. 6,30,000/- तथा D को रु. 6,30,000/- प्राप्त होंगे</p> <p>c) विक्रय राशि को A, B, C तथा D में बराबर-बराबर बांटना होगा, क्योंकि सभी संयुक्त रूप से संपत्ति के मालिक थे।</p> <p>d) A को रु. 14,00,000/-, B को रु. 9,00,000/-, C को रु. 7,00,000/- तथा D को रु. 6,00,000/- प्राप्त होंगे</p>
18.	<p>Under Section 122 of the Transfer of Property Act, regarding the transfer of property by gift, examine the following statements.</p> <p>1. A gift, whether of moveable or immoveable property, can be made by a donor</p>

	<p>at any time, and it is valid as long as the donee expresses acceptance during the donor's lifetime while the donor is capable of giving.</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>2. A gift made after the donor's death, or if the donor is incapable of giving, is valid if the donee accepts the gift in writing within a specified period.</li> <li>3. If the donee dies before accepting the gift, the gift is still valid if donor regains capability of giving.</li> <li>4. Acceptance of the gift must be made during the donor's lifetime and while the donor is capable of giving, and failure to accept the gift in this period renders it void.</li> </ol> <p>Choose the correct option:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) 1 and 3 are correct</li> <li>b) 3 and 4 are correct</li> <li>c) 2 and 3 are correct</li> <li>d) 1 and 4 are correct</li> </ol> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 122 के अंतर्गत दान के रूप में सम्पत्ति के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों की जांच करें:-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दान चाहे स्थावर संपत्ति हो या जंगम संपत्ति, दाता द्वारा कभी भी दिया जा सकता है और यदि दाता दान प्रदान करने में सक्षम है और आदाता ने दाता के जीवन काल में अपनी स्वीकृति जाहिर कर दी है तो यह वैध है।</li> <li>2. यदि दाता के मृत्यु के पश्चात दान दिया जाता है या अगर दाता दान करने में सक्षम नहीं है तब भी यदि आदाता विनिर्दिष्ट अवधि में लिखित रूप से दान स्वीकार कर लेता है तो वैध है।</li> <li>3. यदि आदाता दान स्वीकार करने के पहले ही मर जाता है तब भी यह दान वैध होगा, यदि दाता ने दान प्रदान करने की क्षमता को पुनः प्राप्त कर लिया हो।</li> <li>4. दाता के जीवनकाल के दौरान ही दान की स्वीकृति होनी चाहिए तथा दाता के दान प्रदान करने में सक्षमता के दौरान ही होना चाहिए तथा यदि इस अवधि में दान स्वीकार ना किया जाए तो यह दान स्वतः ही अमान्य हो जाता है।</li> </ol> <p>सही विकल्प चुनें:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>a) 1 और 3 सही है</li> <li>b) 3 और 4 सही है</li> <li>c) 2 और 3 सही है</li> <li>d) 1 और 4 सही है</li> </ol>
19.	<p>Divya has leased office space of 200 sq meters from Ankush for a monthly rent of Rs. 50,000. As her business was going in loss, Divya used to get late in paying the rent to Ankush. Rent of 10 months is pending on account of Divya as on 01.04.2025. Desperate for money, Ankush sold this office space to Mohit for Rs. 50 lakhs on 01.04.2025. No information about sale of property was given to Divya by Ankush.</p>

	<p>However, on 02.04.2025, Divya paid Rs. 5 lakhs to Ankush for the delayed rent. Which of the statements is/are correct in view of the provisions of section 50 of the Transfer of Property Act, 1882?</p> <p>a) Divya is liable to pay Rs. 5 lakhs to Mohit as he is the rightful owner of the property.</p> <p>b) Divya is not liable to Mohit as the rent paid was for the period prior to the transfer of the office space by Ankush and therefore, Ankush was the rightful receiver of the rent.</p> <p>c) Since Divya was not aware of the sale transaction and payment was made to Ankush in good faith, she is not chargeable to rent so paid.</p> <p>d) All are correct.</p> <p>दिव्या ने रु. 50,000/- के मासिक किराये पर अंकुश से 200 वर्ग मीटर की एक कार्यालय की जगह पट्टे पर ली है। पर दिव्या का व्यवसाय घाटे में चलने के कारण उसे अंकुश को किराया देने में देरी होने लगी थी। दिनांक 01.04.2025 तक दिव्या के तरफ से 10 महीने का किराया दिया जाना शेष था। पैसे की अत्याधिक आवश्यकता के कारण अंकुश ने दिनांक 01.04.2025 को अपना कार्यालय मोहित को रु. 50 लाख में बेच दिया। अंकुश ने इस संपत्ति के विक्रय की कोई जानकारी दिव्या को नहीं दी। परन्तु दिव्या ने दिनांक 02.04.2025 को विलंबित किराये का रु. 5 लाख अंकुश को दे दिये। सम्पत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 50 के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए कौन सा/से कथन सत्य है/हैं ?</p> <p>a) दिव्या मोहित को रु. 5 लाख देने के लिए उत्तरदायी है क्योंकि संपत्ति का असली मालिक मोहित है।</p> <p>b) चूंकि किराये का भुगतान अंकुश द्वारा कार्यालय की जगह के अंतरण से पूर्व की अवधि में किया गया था, इसलिए दिव्या मोहित के प्रति दायी नहीं है और इस प्रकार किराये का असली हकदार अंकुश है।</p> <p>c) दिव्या को विक्रय के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और उसने सद्भाव से अंकुश को भुगतान कर दिया था, इसलिए वह चुकाए गये किराये के लिए प्रभार्य नहीं है।</p> <p>d) सभी सही हैं।</p>
20.	<p>Which of the following is true about devolution of property of an intestate as per Indian Succession Act, 1925, subject to the rules framed:</p> <p>(i) Where the intestate has left a widow and if he has also left any lineal descendants, one-fourth of his property shall belong to his widow, and the remaining three-fourth shall go to this lineal descendants,</p> <p>(ii) Where the intestate has left a widow and if he has left none who are kindred to him, the whole of his property shall belong to his widow</p> <p>Select the correct option</p> <p>a) Only (i) is true</p>

	<p>b) Both (i) and (ii) are true  <b>c) Only (ii) is true</b>  d) None of the above</p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के तहत, गठित नियमों के अधीन निर्वसीयती की संपत्ति के अंतरण के संबंध में, निम्नलिखित में से क्या सही है ?</p> <p>i) जब निर्वसीयती अपने पीछे एक विधवा और कोई पारंपरिक वंशज छोड़ जाता है तो, उनकी संपत्ति का एक चौथाई उसकी विधवा को तथा बचा हुआ तीन चौथाई उसके पारंपरिक वंशजों को दिया जाता है।</p> <p>ii) जब निर्वसीयती अपने पीछे एक विधवा को छोड़ जाता है और अगर वह अपने पीछे कोई रक्त संबंधी नहीं छोड़ जाता तो उसकी पूरी संपत्ति उसकी विधवा की होगी। सही विकल्प चुनें:</p> <p>a) सिर्फ (i) सही है।  b) (i) और (ii) दोनों सही है।  <b>c) सिर्फ (ii) सही है।</b>  d) कोई भी सही नहीं है।</p>
21.	<p>Which of the following are correct regarding capacity of a person to make a will</p> <p>(i) A married woman may dispose by Will of any property which she could alienate by her own act during her life.</p> <p>(ii) Persons who are deaf or dumb or blind are not thereby incapacitated for making a Will if they are able to know what they do by it.</p> <p>(iii) A persons who is ordinarily insane cannot make a Will during interval in which he is of sound mind</p> <p>(iv) No person can make a Will while he is in such a state of mind, whether arising from intoxication or from illness or from any other cause, that he does not know what he is doing.</p> <p>Select the correct option</p> <p><b>a) Only (i), (ii) &amp; (iv)</b>  b) Only (iii) &amp; (iv)  c) Only (ii), (iii) &amp; (iv)  d) All of the above</p> <p>किसी व्यक्ति के विल कर पाने के लिए सामर्थ्य के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से सही हैं—</p> <p>(i) कोई विवाहित स्त्री ऐसी किसी संपत्ति का विल द्वारा व्ययन कर सकेगी, जिसे वह अपने जीवनकाल में अपने कृत्य द्वारा अन्यसंक्रांत कर सकती थी।</p> <p>(ii) ऐसे व्यक्ति, जो बधिर, मूक या अंधे हैं, उस कारण कोई विल करने से असमर्थ नहीं हो जाते हैं यदि वे यह जानने</p>

	<p>में समर्थ हैं कि वे उसके द्वारा क्या कर रहे हैं।</p> <p>(iii) कोई व्यक्ति जो सामान्यतः उन्मत्त है, वह उस अन्तराल में कि जब वह स्वस्थचित है, विल नहीं कर सकता।</p> <p>(iv) कोई व्यक्ति जब वह, चाहे मत्तता से या बिमारी से या किसी अन्य कारण से उद्भूत ऐसी मनोदश में है कि उसे यह ज्ञान नहीं है कि वह क्या कर रहा है, तब विल नहीं कर सकता है।</p> <p>सही विकल्प का चुनाव करें -</p> <p>a) केवल (i), (ii) और (iv)</p> <p>b) केवल (iii) और (iv)</p> <p>c) केवल (ii), (iii) और (iv)</p> <p>d) उपर्युक्त सभी</p>
22.	<p>Which of the following is not a valid Will under the Indian Succession Act, 1925?</p> <p>(i) A can perceive what is going on in his immediate neighbourhood, and can answer familiar questions, but has not a competent understanding as to the nature of his property,</p> <p>(ii) A executes an instrument purporting to be his Will, but he does not understand the nature of the instrument, nor the effect of its provisions</p> <p>Select the correct option</p> <p>a) (i)</p> <p>b) (ii)</p> <p>c) Both (i) &amp; (ii)</p> <p>d) Neither (i) nor (ii)</p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन सी वसीयत/विल विधिमान्य नहीं है ?</p> <p>(i) A यह अंदाजा लगा सकता है कि उसके निकटतम पड़ोस में क्या हो रहा है और कुछ सामान्य प्रश्नों का उत्तर दे सकता है; परन्तु उसे अपनी संपत्ति की प्रवृत्ति का पर्याप्त ज्ञान नहीं है।</p> <p>(ii) A अपनी विल के अभिप्राय से एक लिखत निष्पादित करता है परन्तु उसे लिखत की प्रकृति का ज्ञान नहीं है और न ही उसके प्रावधानों के प्रभाव का।</p> <p>सही विकल्प का चयन करें</p> <p>a) (i)</p> <p>b) (ii)</p> <p>c) (i) और (ii) दोनों</p> <p>d) (i) और (ii) दोनों नहीं</p>
23.	<p>Under the Indian Succession Act, 1925, who among the following has power to sue or prosecute any suit, or otherwise act as representative of the deceased</p> <p>(i) Children of the deceased</p>

	<p>(ii) Person who has been granted probate          (iii) Person who has been issued letters of administration          (iv) Appointed officials of the State Government</p> <p>Select the correct answer</p> <p>a) (i) &amp; (ii)          b) (i), (ii) &amp; (iv)  <b>c) (ii) &amp; (iii)</b>          d) All of the above</p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अंतर्गत मृत व्यक्ति के प्रतिनिधि के रूप में निम्नलिखित में से किसको मुकदमा या वाद दायर करने का अधिकार है</p> <p>(i) मृत व्यक्ति के बच्चों को          (ii) वह व्यक्ति जिसे प्रोबेट अनुदत्त किया गया हो          (iii) वह व्यक्ति जिसे प्रशासन पत्र जारी किया गया हो          (iv) राज्य सरकार के नियुक्त अधिकारी</p> <p>सही उत्तर का चयन करें</p> <p>a) (i) और (ii)          b) (i), (ii) और (iv)  <b>c) (ii) और (iii)</b>          d) उपर्युक्त सभी</p>
24.	<p>As per the Indian Succession Act, 1925, succession to the moveable property of a person deceased is regulated by</p> <p>a) The law of the country in which such person was citizen at the time of his death          b) The law of the country in which kindred of the deceased are domiciled at the time of his death          c) The law of the country in which such person had his domicile at the time of acquiring the property  <b>d) The law of the country in which such person had his domicile at the time of his death</b></p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अंतर्गत मृत व्यक्ति की चल संपत्ति का उत्तराधिकार ..... द्वारा विनियमित होता है</p> <p>a) मृत्यु के समय वह जिस देश का नागरिक था, उस देश के कानून के अनुसार।          b) मृत्यु के समय जिस देश में मृतक के रक्त संबंधियों का अधिवास था, उस देश के कानून के अनुसार          c) संपत्ति के अर्जन के समय जिस देश में ऐसे व्यक्ति का</p>



	<p>अधिवास था, उस देश के कानून के अनुसार।</p> <p>d) मृत्यु के समय जिस देश में ऐसे व्यक्ति का अधिवास था, उस देश के कानून के अनुसार</p>
25.	<p>A bequeaths property to B in trust to carry on business of stealing cars, refurbishing the stolen cars and selling them at high profits. The profits derived therefrom are to be used for supporting the family of A. The Trust of A is:</p> <p>a) Valid b) Void c) Voidable d) Partly Void</p> <p>A, B को कार चुराने, चोरी की गई कारों की मरम्मत करके उच्च लाभ पर बेचने का व्यापार करने के लिए न्यास में संपत्ति वसीयत करता है। वहां से प्राप्त लाभ A के परिवार की सहायता के लिए उपयोग किया जाता है। A का न्यास ..... है</p> <p>a) विधिमान्य है b) अमान्य है c) अमान्ययोग्य है d) आंशिक रूप से अमान्य है</p>
26.	<p>As per Section 303 of "The Indian Succession Act, 1925", who is Executor of his own wrong-</p> <p>a) Intermeddling with the goods of the deceased for the purpose of preserving them. b) Intermeddling with the goods of the deceased for the purpose of providing for his funeral. c) Intermeddling with the goods of the deceased for the immediate necessities of his property. d) Intermeddling with the goods of the deceased for the purpose of satisfying his own debts.</p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 की धारा 303 के अनुसार अपने स्वयं के गलत कार्य का निष्पादक कौन है।</p> <p>a) मृतक की वस्तुओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उनमें हस्तक्षेप करना। b) मृतक के अंतिम संस्कार के लिए उसके सामान में हस्तक्षेप करना। c) मृतक की तत्काल आवश्यकताओं के लिए उसकी संपत्ति में हस्तक्षेप करना। d) अपने कर्जों की पूर्ति के लिए मृतक की संपत्ति में हस्तक्षेप करना।</p>
27.	What cannot be subject matter of Will:

	<p>a) Self acquired property  b) Share in HUF property  c) Properties acquired by gift  d) <b>Tenancy Rights not being transferable</b></p> <p>निम्नलिखित में से क्या विल का विषयवस्तु नहीं हो सकती</p> <p>a) स्वयं अर्जित संपत्ति  b) एच.यू.एफ. संपत्ति में हिस्सा  c) उपहार के माध्यम में अर्जित संपत्तियां  d) <b>अअंतरणीय किरायेदारी के अधिकार</b></p>
28.	<p>What are incorrect statements about the WILL:</p> <p>I. it is a legal declaration of a testator  II. It is a legal declaration of an executor  III. It is a legal declaration of an administrator  IV. It can be executed during his lifetime and also after his death</p> <p>a) II and III only  b) I, III and IV only  c) <b>II, III and IV only</b>  d) II and IV only.</p> <p>वसीयत के संबंध में कौन से कथन सही नहीं हैं</p> <p>I. यह वसीयतकर्ता की विधिक घोषणा है  II. यह निष्पादक की विधिक घोषणा है  III. यह प्रशासक की विधिक घोषणा है  IV. इसका निष्पादन उसके जीवनकाल के दौरान किया जा सकता है और उसकी मृत्यु के बाद भी</p> <p>a) केवल II और III  b) केवल I, III और IV  c) <b>केवल II, III और IV</b>  d) केवल II और IV</p>
29.	<p>As per Section 11 of the Indian Succession Act, 1925 a person may acquire domicile in India by making and depositing a declaration in writing under his hand of his desire to acquire such domicile provided he has been resident in India for immediately preceding _____ from the time of his making such declaration –</p> <p>a) <b>One year</b>  b) Six months  c) Two years  d) Eighteen months.</p>

	<p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 की धारा 11 के अनुसार कोई व्यक्ति अधिवास अर्जित करने की अपनी इच्छा की, अपने हस्ताक्षर सहित एक लिखित घोषणा करके भारत में ऐसा अधिवास प्राप्त कर सकता है बशर्ते ऐसी घोषणा करने के समय के ठीक पूर्व .. ..... तक उसने भारत में निवास किया हो</p> <p>a) एक वर्ष b) 6 माह c) दो वर्ष d) अठारह माह</p>
30.	<p>If a Hindu male dies intestate the self acquired and separate property will devolve upon his heirs in the following order-</p> <p>a) Class-II, Class-I, the cognates, the agnates b) Class-I, Class-II, the cognates, the agnates c) Class-I, Class-II, the agnates, the cognates d) None of the above.</p> <p>यदि एक हिन्दू पुरुष का निर्वसीयती निधन हो जाता है, तो उसकी स्व अर्जित और पृथक संपत्ति उसके उत्तराधिकारियों को निम्नलिखित अनुक्रम में वितरित होगी-</p> <p>a) वर्ग-II, वर्ग-I, सजातीय, गोत्रज b) वर्ग-I, वर्ग-II, सजातीय, गोत्रज c) वर्ग-I, वर्ग-II, गोत्रज, सजातीय d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
31.	<p>Under the Indian Succession Act, 1925 Property shall go to Government where the intestate has left no</p> <p>a) Widow b) lineal descendant or those who are kindred to him c) (a) and (b) above d) None of the above.</p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अंतर्गत संपत्ति सरकार को चली जाएगी, यदि निर्वसीयती मृतक के बाद .....न बचा हो-</p> <p>a) उसकी विधवा b) पारंपरिक वंशज और कोई रक्त संबंधी c) उपर्युक्त (a) और (b) d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
32.	<p>As per section 2(e) of the Indian Succession Act, "minor" means any person subject to the ..... who has not attained his majority within the meaning of that Act</p>

	<p>and any other person who has not completed the age of eighteen years. Fill up the blank picking up the correct option.</p> <p>a) <b>Indian Majority Act, 1875</b>  b) General Clauses Act, 1927  c) Code of Civil Procedure 1908  d) Indian Penal Code.</p> <p>भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 2(e) के अधीन ..... के अनुसार 'अवयस्क' से अर्थ है, कोई व्यक्ति जिसमें अधिनियम के अर्थ में व्यस्कता अर्जित नहीं की है और अन्य कोई व्यक्ति जिसने 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है। सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।</p> <p>a) <b>भारतीय वयस्क अधिनियम, 1875</b>  b) साधारण खंड अधिनियम, 1927  c) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908  d) भारतीय दंड संहिता</p>
33.	<p>According to Section 4 of the Indian Trusts Act, 1882, the person who reposes or declares the confidence in another person is called:</p> <p>a) <b>Author of the trust</b>  b) Trustee  c) Beneficiary  d) Executor</p> <p>भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 4 के अनुसार एक व्यक्ति जो अपना विश्वास किसी अन्य व्यक्ति में रखता है अथवा घोषित करता है ..... कहलाता है-</p> <p>a) <b>न्यासकर्ता</b>  b) न्यासी (ट्रस्टी)  c) हिताधिकारी  d) निष्पादक</p>
34.	<p>For the revocation of a trust under section 78 of the Indian Trusts Act, 1882, which of the following allows for the Trust?</p> <p>a) The trust was created by will.  b) <b>All beneficiaries are competent to contract and consent to revocation.</b>  c) The author of the trust did not reserve a power of revocation.  d) The trust has been communicated to creditors.</p> <p>भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 78 के तहत एक न्यास</p>

	<p>के प्रतिसंहरण के लिये निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प अनुमन्य है ?</p> <p>a) न्यास विल के द्वारा बनाई गई थी</p> <p>b) सभी हिताधिकारी संविदा करने के लिए सक्षम हों और प्रतिसंहरण के लिए उनकी सहमति हो</p> <p>c) न्यासकर्त्ता ने प्रतिसंहरण शक्ति आरक्षित न की हो</p> <p>d) न्यास लेनदारों को संसूचित की जा चुका हो</p>
35.	<p>A trust created by the will of the testator may be revoked by him at his pleasure</p> <p>a) By express words</p> <p>b) By subsequent will</p> <p>c) In case of person governed by the Hindu Marriage Act by the marriage of the testator</p> <p>d) By acts which lead to the inference that he intended to revoke it</p> <p>बिल द्वारा सृष्ट न्यास वसीयतकर्त्ता के प्रसादानुसार प्रतिसंहत की जा सकेगी</p> <p>a) मौखित शब्दों द्वारा</p> <p>b) परवर्ती विल द्वारा</p> <p>c) हिन्दू विवाह अधिनियम द्वारा नियंत्रित व्यक्तियों के मामले में, वसीयतकर्त्ता के विवाह द्वारा</p> <p>d) ऐसे कर्त्त्यों द्वारा, जिनसे यह निष्कर्ष निकल पाए कि वह इसे भंग करना चाहता है</p>
36.	<p>If a partner, being a trustee, wrongfully employs trust-property in the business or on the account of the partnership, then what is the liability of other partners:</p> <p>a) The partners having such notice of the breach of trust are jointly and severally liable for the breach of trust.</p> <p>b) The partners, who are not having such notice of the breach of trust, are jointly and severally liable for such breach of trust.</p> <p>c) The partners are not liable for such breach of trust whether they are having or not having notice of such breach of trust.</p> <p>d) None of the above</p> <p>यदि कोई भागीदार न्यासी होने के नाते न्यास संपत्ति को गलत तरीके से व्यवसाय में अथवा भागीदारी लगा दे तो दूसरे भागीदारों की क्या जिम्मेदारी है ?</p> <p>a) जिन भागीदारों का ऐसे विश्वास भंग का संज्ञान है, वे सम्मिलित रूप से और व्यक्तिगत रूप से विश्वास भंग के लिए उत्तरदायी हैं।</p> <p>b) वे भागीदार जिन्हें विश्वास भंग का संज्ञान नहीं है, वे सम्मिलित रूप से और व्यक्तिगत रूप से विश्वास भंग के</p>

	<p>लिए उत्तरदायी है।</p> <p>c) भागीदार ऐसे विश्वास भंग के लिए उत्तरदायी नहीं हैं, चाहे उनके पास ऐसे विश्वास भंग का संज्ञान हो अथवा नहीं</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।</p>
37.	<p>Which one of the following is not a transferee for consideration within the meaning of Section 64 of the Indian Trusts Act, 1882:</p> <p>a) A judgment-creditor of the trustee attaching and purchasing trust-property.</p> <p>b) A judgment-debtor of the trustee attaching and purchasing trust-property.</p> <p>c) Both (a) and (b).</p> <p>d) None of the above.</p> <p>निम्नलिखित में से कौन भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 64 के अर्थ के अंदर सप्रतिफल अन्तरिती नहीं है ?</p> <p>a) न्यासी का वह निर्णीत लेनदार, जिसने न्यास सम्पत्ति कुर्क कराई और खरीदी हो।</p> <p>b) न्यासी का वह निर्णीत देनदार जिसने कि न्याय-सम्पत्ति कुर्क कराई और खरीदी हो।</p> <p>c) (a) और (b) दोनों</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
38.	<p>Which of the following is a correct statement relating to the trustee who is simply authorised to sell certain land?</p> <p>(i) The trustee cannot sell the land by private contract.</p> <p>(ii) The trustee can sell the land by private contract.</p> <p>(iii) The trustee can sell the land for a less amount without the consent of beneficiaries</p> <p>(iv) The trustee can sell the land for a less amount with the consent of beneficiaries.</p> <p>Select the correct option:</p> <p>a) (i), and (iii)</p> <p>b) (ii) and (iii)</p> <p>c) (i) and (iv)</p> <p>d) (ii) and (iv)</p> <p>निम्नलिखित में से कौन सा कथन एक न्यासी के संबंध में सही है, जो कि एक निश्चित भूमि विक्रय के लिए सामान्यतः प्राधिकृत है ?</p> <p>i) न्यासी निजी संविदा द्वारा भूमि को नहीं बेच सकता।</p> <p>ii) न्यासी निजी संविदा द्वारा भूमि को बेच सकता है।</p> <p>iii) न्यासी हिताधिकारियों की सम्मति के बिना न्यून मूल्य पर भूमि बेच सकता है।</p>

	<p>iv) न्यासी हिताधिकारियों की सम्मति से न्यून मूल्य पर भूमि बेच सकता है। सही विकल्प का चुनाव करें :-</p> <p>a) (i) और (iii) b) (ii) और (iii) c) (i) और (iv) d) (ii) और (iv)</p>
39.	<p>Which of the following is correct illustrations about “Liability for breach of trust” by the trustee:</p> <p>(i) A trustee improperly leaves trust-property outstanding, and it is consequently lost: he is liable to make good the property lost, but he is not liable to pay interest thereon.</p> <p>(ii) A trustee improperly leaves trust-property outstanding, and it is consequently lost: he is liable to make good the property lost and also he is liable to pay interest thereon.</p> <p>(iii) A trustee is guilty of unreasonable delay in investing trust-money or in paying it to the beneficiary. The trustee is liable to pay interest thereon for the period of the delay.</p> <p>(iv) A trustee is guilty of unreasonable delay in investing trust-money or in paying it to the beneficiary. The trustee is not liable to pay interest thereon for the period of the delay.</p> <p>Select the correct option:</p> <p>a) (i) and (iii) b) (i) and (iv) c) (ii) and (iii) d) (ii) and (iv)</p> <p>न्यासी द्वारा ‘विश्वास भंग के लिये दायित्व’ के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा निदर्शन सही है:</p> <p>(i) एक न्यासी न्यास-सम्पत्ति पर गलत तरीके से बकाया छोड़ देता है, परिणामतः यह गंवा दी जाती है: वह गंवा दी गई सम्पत्ति की भरपाई के लिए जिम्मेवार है, परन्तु वह उस पर ब्याज के भुगतान के लिए देनदार नहीं है।</p> <p>(ii) एक न्यासी न्यास-सम्पत्ति पर गलत तरीके से बकाया छोड़ देता है, परिणामतः यह गंवा दी जाती है। वह गंवा दी गई सम्पत्ति की कारवाई के लिए जिम्मेवार है और उस पर ब्याज के लिए भी देनदारी है।</p> <p>(iii) एक न्यासी न्यास-धन के निवेश में या उसे हिताधिकारियों को चुकाने में अकारण देरी का दोषी है। न्यासी देरी की अवधि के लिए ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है।</p>

	<p>(iv) एक न्यासी न्यास-धन के निवेश में या उसे हिताधिकारियों को चुकाने में अकारण देरी का दोषी है। न्यासी देरी की अवधि के लिये ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं है।</p> <p>सही विकल्प का चयन कीजिए:</p> <p>a) (i) और (iii)  b) (i) और (iv)  c) (ii) और (iii)  d) (ii) और (iv)</p>
40.	<p>Choose the incorrect one –</p> <p>Nothing shall be deemed to require a trustee to obey any direction when to do so would be</p> <p>a) Impracticable  b) Illegal  c) Manifestly injurious to beneficiaries  d) Lawful</p> <p>गलत का चयन कीजिए–</p> <p>एक न्यासी को किसी निर्देश के अनुपालन के लिए स्वतः बाध्य नहीं समझा जाना चाहिए। अगर ऐसा है तो यह होगा–</p> <p>a) गैर प्रायोगिक  b) गैर कानूनी  c) स्पष्ट रूप से लाभार्थियों के लिए हानिकारक  d) कानूनी रूप से सही</p>
41.	<p>When the trust property consists of money and cannot be applied immediately or at an early date to the purpose of the trust, the trustee shall, subject to any directions contained in the instrument of the trust,</p> <p>a) Invest the money in any of the securities or class of securities expressly authorized by the instrument of the trust  b) Or as specified by the Central Government, by notification in the official Gazette  c) Both of above  d) None of the above</p> <p>जब न्यास संपदा में केवल पैसा हो तथा न्यास के प्रयोजनार्थ उसे तुरंत या किसी निकट तिथी पर प्रयोग किया न जा सकता हो तो न्यासी को चाहिए कि न्यास विलेख के दिशा निर्देशों के अधीन रहते हुए:–</p> <p>a) पैसे को किसी ऐसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों के किसी वर्ग में निवेश करे जो न्यास विलेख में विशेष रूप से प्राधिकृत किये</p>



	<p>गये हों।</p> <p>b) या भारत सरकार के अधिकारिक राजपत्र की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किये गये हों।</p> <p>c) उपर्युक्त दोनों</p> <p>d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>
42.	<p>What is the mode of service of summons on an individual defendant under Order V of Civil Procedure Code ?</p> <p>a) By email</p> <p>b) By publication in newspaper</p> <p>c) By personal service</p> <p>d) By WhatsApp</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश V के तहत किसी व्यक्ति प्रतिवादी के लिए सम्मन की तामील विधि क्या होगी ?</p> <p>a) ई-मेल द्वारा</p> <p>b) अखबार में प्रकाशन द्वारा</p> <p>c) व्यक्तिगत रूप से</p> <p>d) व्हाट्सप द्वारा</p>
43.	<p>What is a Commission under Order XXVI of Civil Procedure Code ?</p> <p>a) A committee formed by lawyers</p> <p>b) An appointment of a person to gather evidence</p> <p>c) A decision by the Supreme Court</p> <p>d) A rule for criminal law cases</p> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश सं. XXVI के तहत कमीशन क्या है ?</p> <p>a) वकीलों द्वारा बनाई गई एक कमेटी</p> <p>b) सबूत जुटाने के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति</p> <p>c) सर्वोच्च न्यायालय का एक फैसला</p> <p>d) संज्ञेय अपराधों के मामलों से संबंधित एक नियम</p>
44.	<p>A plaintiff files a civil suit, and the court issues a summons to the defendant. The process server reports that the defendant is avoiding service by refusing to open the door. What is the appropriate legal action?</p> <p>a) Dismiss the case for non-service of summons</p> <p>b) The court should proceed with the case ex-parte</p> <p>c) The court may order substituted service under Order V, Rule 20</p> <p>d) Issue an arrest warrant against the defendant</p>

	<p>एक वादी एक दीवानी मुकदमा दायर करता है तथा न्यायालय प्रतिवादी के लिए सम्मन जारी करता है। आदेशिका की तामील करने वाला व्यक्ति सूचित करता है कि प्रतिवादी दरवाजा खोलने से इंकार करके बच रहा है। उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई क्या होगी ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सम्मन की तामील न होने के कारण केस को खारिज करना</li> <li>कोर्ट को एक-पक्षीय कार्रवाही प्रारंभ करनी चाहिए</li> <li>आदेश V के नियम 20 के तहत कोर्ट कोई अन्य तामील प्रक्रिया के लिये आदेश दे सकती है।</li> <li>प्रतिवादी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा सकता है</li> </ol>
45.	<p>Under Order XIX of Civil Procedure Code, Rule 3, affidavits must be confined to statements of fact based on personal knowledge. Which of the following statements is correct regarding its evidentiary value?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Affidavits are conclusive proof in all cases</li> <li>Affidavits can be considered as evidence only if cross-examination is allowed</li> <li>Affidavits are inadmissible in civil proceedings</li> <li>Affidavits can replace oral evidence in all cases</li> </ol> <p>सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश XIX, नियम 3 के अनुसार, हल्फनामों में दी गई सूचना व्यक्तिगत जानकारी पर आधारित तथ्यों के कथन तक परिसीमित होनी चाहिए। इसकी साक्ष्यिक उपयोगिता के संबंध में कौन-सा कथन सत्य है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>हल्फनामे प्रत्येक मामले में निश्चायक सबूत होते हैं।</li> <li>हल्फनामे साक्ष्य माने जा सकते हैं यदि प्रति-परीक्षा की अनुमति होती है।</li> <li>हल्फनामे दीवानी मुकदमों में अस्वीकार्य होते हैं।</li> <li>हल्फनामों सभी मामलों में मौखिक साक्ष्यों को प्रतिस्थापित कर सकते हैं।</li> </ol>
46.	<p>A defendant wants to summon an expert witness to testify in a medical negligence case. Under Order XVI, of Civil Procedure Code, how should the expert be summoned?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>The defendant must request the court to issue a summons</li> <li>The expert must voluntarily appear without a summons</li> <li>The defendant can personally send an invitation to the expert</li> <li>Experts are not allowed to be summoned in civil cases</li> </ol> <p>एक प्रतिवादी एक चिकित्सीय लापरवाही के मामले में एक विशेषज्ञ गवाह को सम्मन भिजवाना चाहता है। सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश सं. XVI के तहत, उस विशेषज्ञ को किस तरह सम्मन भेजकर</p>

	<p>बुलाना चाहिए ?</p> <p>a) प्रतिवादी को सम्मन भिजवाने के लिए न्यायालय के समक्ष याचना करनी चाहिए</p> <p>b) विशेषज्ञ को बिना सम्मन के स्वतः ही प्रस्तुत हो जाना चाहिए</p> <p>c) प्रतिवादी व्यक्तिगत तौर पर विशेषज्ञ को निमंत्रण भेज सकता है</p> <p>d) दीवानी मुकदमों में विशेषज्ञों को सम्मन भेजने की इजाजत नहीं है</p>
47.	<p>Read the following statements from the Civil Procedure Code –</p> <p><b>Statement – I:</b> The cost of every affidavit shall be paid by both the party filing the same.</p> <p><b>Statement – II:</b> Affidavits shall be confined to such facts as the deponent is able of his own knowledge to prove.</p> <p><b>Statement-III:</b> Affidavits in answer to interrogations shall be filled within 15 days of order.</p> <p>Choose the correct answer given below based on the above statements.</p> <p>a) Statement I and Statement-III are Correct</p> <p>b) Statement II and Statement-III are Incorrect</p> <p>c) Statements I and II are Correct</p> <p>d) All statements are correct.</p> <p>सिविल प्रक्रिया कोड से निम्नलिखित कथनों को पढ़ें–</p> <p>कथन I – प्रत्येक हल्फनामे की कीमत उस हल्फनामों को भरने वाले दोनों पक्षों द्वारा अदा की जानी चाहिए</p> <p>कथन II – हल्फनामों में केवल ऐसे तथ्य ही दर्ज हों जिन्हें अभिसाक्षी स्वतः अपने ज्ञान से सिद्ध कर पाने की स्थिति में हो।</p> <p>कथन III – पूछताछ के जवाबों के लिए हल्फनामे को आदेश के 15 दिन के अंदर ही दायर किया जाना चाहिए।</p> <p>उपर्युक्त कथनों के आधार पर निम्नलिखित में से सही जवाब चुनिए:–</p> <p>a) कथन- I व कथन- III सत्य हैं</p> <p>b) कथन- II व कथन- III असत्य हैं</p> <p>c) कथन- I व कथन- II सत्य हैं</p> <p>d) सभी कथन सत्य हैं</p>
48.	<p>Read the following options from the Section 62 of Civil Procedure Code regarding seizure of property in dwelling house –</p> <p><b>Statement-I.</b> Person authorizing seizure of movable property shall not, enter any dwelling house after sunset and before sunrise.</p> <p><b>Statement-II.</b> Outer door of a dwelling-house shall not be broken open unless</p>

	<p>judgment-debtor is present in house and he refuses or in any way prevents access thereto, but when the person executing such process has duly gained access to any dwelling-house, he may break open the door of any room in which he has reason to believe any such property to be kept.</p> <p>Choose the correct answer given below based on the above statements.</p> <p>a) Statement I is Incorrect b) Statement II is Incorrect <b>c) Statements I and II are Correct</b> d) Statements I and II are Incorrect</p> <p>सिविल प्रक्रिया कोड की धारा 62 के तहत निवास-गृह की संपत्ति की जब्ती के संबंध में निम्न विकल्पों को पढ़िए-</p> <p>कथन I - चल संपत्ति को जब्त करने के लिए प्राधिकृत करने वाला व्यक्ति किसी भी निवास-गृह में, सूर्यास्त के पश्चात और सूर्योदय से पहले, प्रवेश नहीं कर सकता है।</p> <p>कथन II - निवासी-गृह का बाहरी दरवाजा तब तक तोड़ा नहीं जा सकता कि जब तक निर्णीत-देनदार घर के अंदर हो और वह अंदर प्रवेश के लिए मना करे या प्रवेश को किसी तरह बाधित करे, लेकिन जब इस काम के लिए अधिकृत व्यक्ति ने निवासी-गृह में प्रवेश कर लिया हो तो, वह हर उस कमरे का दरवाजा तोड़ सकता है जिसमें उसके अंदर ऐसी संपत्ति होने के विश्वास का कारण हो।</p> <p>उपर्युक्त कथनों के आधार पर निम्नलिखित में से सही जवाब चुनिए :</p> <p>a) कथन- I असत्य है। b) कथन- II असत्य है। <b>c) कथन- I व II सत्य हैं।</b> d) कथन- I व II असत्य हैं।</p>
49.	<p>According to relevant section of CPC 1908, the judgment of a Court on Question of Law has been reversed or modified by the subsequent decision of Supreme Court. Chose the correct option given below</p> <p>a) It will be a valid ground for review of the judgment. <b>b) It cannot be a valid ground for review of the judgment.</b> c) The review judgment is the discretion of Supreme Court. d) The review judgment is discretion of lower Court</p> <p>CPC 1908 की सुसंगत धारा के अनुसार, विधि के प्रश्न पर किसी न्यायालय के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय के पश्चातवर्ती विनिश्चय द्वारा उलट या आशोधित किया गया है।</p> <p>नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए</p> <p>a) यह निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए एक मान्य आधार होगा। <b>b) यह निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए एक मान्य आधार नहीं हो सकता।</b></p>

	<p>c) यह पुनर्विलोकन निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का विवेकाधिकार है।</p> <p>d) यह पुनर्विलोकन निर्णय निचले न्यायालय का विवेकाधिकार है।</p>
50.	<p>As per Section 32 of CPC, the Court may compel for the attendance of a witness to whom a summons has been issued and may impose penalty as per following:</p> <p>(i) Issue a warrant for his arrest;</p> <p>(ii) Attach and sell his property;</p> <p>(iii) Impose a fine upon him not exceeding five hundred rupees;</p> <p>(iv) Order him to furnish security for his appearance and in default commit him to the civil prison.</p> <p>Choose the incorrect option from above</p> <p>a) Only (iii)</p> <p>b) Only (ii) and (iv)</p> <p>c) Only (iv)</p> <p>d) Only (ii)</p> <p>CPC की धारा 32 के अनुसार, न्यायालय ऐसे किसी साक्षी जिसे समन जारी किया जा चुका है, की उपस्थिति बाध्य कर सकता है तथा निम्नानुसार दंड अधिरोपित कर सकता है:</p> <p>i) उसकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर सकता है</p> <p>ii) उसकी संपत्ति की कुर्की या बिक्री कर सकता है</p> <p>iii) उस पर जुर्माना लगा सकता है, जो पांच सौ रुपए से अधिक न हो</p> <p>iv) उसकी उपस्थिति के लिए प्रतिभूति देने के लिए तथा इसमें चूक होने पर उसे सिविल कारागर में डालने के लिए आदेश दे सकता है</p> <p>उपरोक्त में से गलत विकल्प का चयन कीजिए</p> <p>a) केवल (iii)</p> <p>b) केवल (ii) तथा (iv)</p> <p>c) केवल (iv)</p> <p>d) केवल (ii)</p>
51.	<p>Application where Review is granted by the Court if Court is of opinion that the application for review should be granted, it shall grant the same, provided that:</p> <p><b>Statement –I:</b> no such application shall be granted without previous notice to the opposite party, to enable him to appear and be heard in support of the decree or order, a review of which is applied for.</p> <p><b>Statement-II:</b> no such application shall be granted on the ground of discovery of new matter or evidence which the applicant alleges was not within his knowledge, or could not be adduced by him when the decree or order was passed or made, without</p>

	<p>strict proof of such allegation.</p> <p>Chose the correct option:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Statement –I and Statement –II both are correct and come together.</li> <li>b) Statement –I is correct but Statement-II is incorrect</li> <li>c) Statement –II is correct but Statement –I is incorrect.</li> <li>d) Neither Statement-I nor Statement-II is correct</li> </ul> <p>ऐसा आवेदन जहां न्यायालय द्वारा समीक्षा की अनुमति दी गई है यदि न्यायालय की यह राय हो कि समीक्षा की अनुमति दी जानी चाहिए, वह अनुमति देगा, बशर्ते कि: –</p> <p>कथन I – ऐसे किसी आवेदन को, विरोधी पक्षकार को पूर्व नोटिस के बिना अनुमत नहीं किया जाएगा, जिससे विरोधी पक्षकार उपस्थित होने तथा उस डिक्री या आदेश के पक्ष में सुने जाने में समर्थ हो, जिसकी समीक्षा के लिए आवेदन किया गया है।</p> <p>कथन II – कोई भी आवेदन ऐसी नई बात या साक्ष्य के प्रकटीकरण, जिसके बारे में आवेदक दावा करता हो कि उसकी जानकारी में नहीं था, या जब डिक्री या आदेश पारित या निर्मित हुआ था तब वह पेश नहीं कर पाया, के आधार पर ऐसे अभिकथन के कड़े सबूत के बिना अनुमत नहीं किया जाएगा।</p> <p>सही विकल्प का चयन कीजिए:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) कथन-I तथा कथन- II दोनों सही हैं तथा एक साथ लागू होते हैं।</li> <li>b) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।</li> <li>c) कथन-II सही है लेकिन कथन-I गलत है।</li> <li>d) न तो कथन-I न ही कथन- II सही है।</li> </ul>
52.	<p>Instructions: the following questions consists of an Assertion (A) and a Reason (R). Select the correct answer from the options given below:</p> <p>(A): A decree can be reviewed only when there is an error apparent on the face of the record</p> <p>(R): "Error apparent on the face of the record" includes those errors which can be seen without any lengthy process of factual investigation.</p> <p>Chose the correct option:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) A is true but R is false.</li> <li>b) A is false but R is true.</li> <li>c) Both A and R are true and R is the correct explanation of A.</li> <li>d) Both A and R are true but R is not the correct explanation of A.</li> </ul>

	<p>निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों में एक अभिकथन (A) तथा एक तर्क (R) दिया गया है। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:</p> <p>(A) किसी डिक्री का पुनर्विलोकन केवल तभी किया जा सकता है, जब अभिलेख को देखने से ही गलती स्पष्ट प्रकट होती हो।</p> <p>(R) “अभिलेख को देखने से ही प्रकट” में वे गलतियां सम्मिलित हैं जो तथ्यात्मक अन्वेषण की किसी लंबी प्रक्रिया के बिना ही देखी जा सकते हों।</p> <p>सही विकल्प का चयन कीजिए:</p> <p>a) A सही है किन्तु R गलत है।  b) A गलत है किन्तु R सही है।  c) A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।  d) A तथा R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।</p>
53.	<p>Which properties cannot be attached under Section 60 of CPC?</p> <p>a) Salary of a government employee  b) Books of account  c) Property belonging to a widow  d) All of the above</p> <p>CPC की धारा 60 के अंतर्गत किन संपत्तियों की कुर्की नहीं की जा सकती है ?</p> <p>a) सरकारी कर्मचारी का वेतन  b) लेखा बहियां  c) किसी विधवा की संपत्ति  d) उपरोक्त सभी</p>
54.	<p>A plaintiff wants to summon a government officer as a witness. Under Order XVI, of Civil Procedure Code, what should the plaintiff do?</p> <p>a) Directly send a notice to the officer  b) Request the court to issue a summons, and if necessary, seek permission from the government  c) Arrest the officer if he refuses to appear  d) Demand the officer's attendance through an administrative order</p> <p>एक वादी एक सरकारी अधिकारी को साक्षी के रूप में समन करना चाहता है। सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश XVI के अंतर्गत, वादी को क्या करना चाहिए ?</p> <p>a) सीधे अधिकारी को नोटिस भेजना  b) न्यायालय को समन जारी करने का अनुरोध और यदि</p>

	<p>आवश्यक हो तो सरकार से अनुमति मांगनी चाहिए</p> <p>c) यदि अधिकारी उपस्थित होने से इंकार करे तो उसे गिरफ्तार करना चाहिए</p> <p>d) एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से उस अधिकारी की उपस्थिति की मांग करनी चाहिए</p>
55.	<p>As per the provisions of Section 61 of CPC, 1908, which the authority may exempt portion of the agriculture produce or any class of the agriculture produce in the case of agriculturists from liability to attachment or sale in execution of decree by general or special order.</p> <p>a) The Supreme Court</p> <p>b) The State Government</p> <p>c) The Central Government</p> <p>d) The High Court</p> <p>CPC, 1908 की धारा 61 के प्रावधानों के अनुसार, कृषकों के मामले में, कौन सा प्राधिकारी सामान्य या विशेष आदेश द्वारा कृषि उपज या कृषि उपज के किसी वर्ग के अंश को डिक्री के निष्पादन में कुर्की या बिक्री के दायित्व से छूट दे सकता है।</p> <p>a) सर्वोच्च न्यायालय</p> <p>b) राज्य सरकार</p> <p>c) केन्द्र सरकार</p> <p>d) उच्च न्यायालय</p>
56.	<p>In case of one and in same decree, the attachment of the salary under order XXI of the CPC 1908, can be continued for total period of:</p> <p>a) 12 Months</p> <p>b) 24 Months</p> <p>c) 36 Months</p> <p>d) As per reasonable time</p> <p>किसी एक के तथा उसी डिक्री के मामले में, CPC 1908 के आदेश XXI के अधीन वेतन की कुर्की कुल कितनी अवधि तक जारी रह सकती है:</p> <p>a) 12 माह</p> <p>b) 24 माह</p> <p>c) 36 माह</p> <p>d) समुचित समय के अनुसार</p>
57.	<p>According to Order XIX of CPC, consider the following statement on power to order attendance of deponent for cross-examination</p> <p><b>Statement-I.</b> Upon any application evidence may be given by affidavit, but the Court</p>



	<p>may, at the instance of either party, order the attendance of the deponent (Sakshi) for cross-examination.</p> <p><b>Statement-II.</b> Such attendance shall be in Court, unless the deponent is exempted from personal appearance in Court.</p> <p>Choose the Incorrect option/s</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) <b>Statements I and II are Correct</b></li> <li>b) Statement II is Incorrect</li> <li>c) Statement I is Correct</li> <li>d) None of the above.</li> </ul> <p>CPC के आदेश XIX के अनुसार, प्रतिपरीक्षा के लिए साक्षी की उपस्थिति आदेश जारी करने के प्राधिकार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <p>कथन I – किसी आवेदन पर शपथपत्र द्वारा साक्ष्य दिया जा सकता है, किन्तु न्यायालय किसी भी पक्ष के अनुरोध पर प्रतिपरीक्षा के लिए साक्षी की उपस्थिति का आदेश दे सकता है।</p> <p>कथन II – ऐसी उपस्थिति न्यायालय में होगी, जब तक कि साक्षी को न्यायालय में वैयक्तिक उपस्थिति से छूट न दी गई हो।</p> <p>गलत विकल्प/विकल्पों का चयन कीजिए</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) <b>कथन I तथा II सही हैं</b></li> <li>b) कथन II गलत है</li> <li>c) कथन I सही है</li> <li>d) इनमें से कोई नहीं</li> </ul>
58.	<p>Under Mitakshara law, a coparcenary consists of up to how many generations?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Two</li> <li>b) Three</li> <li>c) <b>Four</b></li> <li>d) Five</li> </ul> <p>मिताक्षर विधि के अधीन सहदायिकी में कितनी पीढ़ियां सम्मिलित होती हैं ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) दो</li> <li>b) तीन</li> <li>c) <b>चार</b></li> <li>d) पांच</li> </ul>
59.	<p>A coparcener's share in the joint family property is:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Fixed and cannot be changed</li> <li>b) <b>Fluctuating, depending on births and deaths</b></li> <li>c) Equal among all family members</li> </ul>

	<p>d) Only determined after partition</p> <p>संयुक्त परिवार की संपत्ति में सहदायिक का भाग:</p> <p>a) निर्धारित है तथा बदला नहीं जा सकता</p> <p>b) जन्म तथा मृत्यु पर निर्भर होकर घटता-बढ़ता रहता है</p> <p>c) परिवार के सभी सदस्यों के बीच बराबर होता है</p> <p>d) केवल विभाजन के बाद निर्धारित होता है</p>
60.	<p>What happens to a coparcener's share in case of his death before partition?</p> <p>a) It goes to the eldest son</p> <p>b) It passes by survivorship or succession</p> <p>c) It is given to the state</p> <p>d) It is lost</p> <p>विभाजन से पहले, सहदायिक की मृत्यु होने के मामले में उसके भाग का क्या होगा ?</p> <p>a) यह सबसे बड़े पुत्र के पास जाएगा</p> <p>b) यह उत्तरजीविता या उत्तराधिकार के माध्यम से आगे बढ़ेगा</p> <p>c) यह राज्य को दे दी जाती है</p> <p>d) यह खो जाती है</p>
61.	<p>The property acquired by a coparcener using joint family funds is considered:</p> <p>a) Coparcenary property</p> <p>b) Self-acquired property</p> <p>c) Divisible property</p> <p>d) Government property</p> <p>किसी सहदायिक द्वारा संयुक्त परिवार की निधि से अर्जित की गई संपत्ति को क्या माना जाता है ?</p> <p>a) सहदायिकी संपत्ति</p> <p>b) स्वार्जित संपत्ति</p> <p>c) विभाज्य संपत्ति</p> <p>d) सरकारी संपत्ति</p>
62.	<p>What is 'Blending of Property' in Hindu law?</p> <p>a) Mixing personal and government property</p> <p>b) Mixing self-acquired property with joint family property</p> <p>c) Donating property to charity</p> <p>d) Selling coparcenary property</p>

	<p>हिन्दू विधि में 'संपत्ति का मिलन' क्या है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>निजी तथा सरकारी संपत्ति को मिश्रित करना</li> <li>स्वार्जित संपत्ति को संयुक्त परिवार की संपत्ति में मिश्रित करना</li> <li>संपत्ति को चैरिटी में दान करना</li> <li>सहदायिक की संपत्ति को बेचना</li> </ol>
63.	<p>What is the term for property obtained through inheritance from a maternal grandfather?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Coparcenary property</li> <li>Separate property</li> <li>Joint family property</li> <li>Blended property</li> </ol> <p>नाना से विरासत में प्राप्त की गई संपत्ति के लिए कौन सा शब्द प्रयुक्त होता है-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सहदायिक संपत्ति</li> <li>पृथक संपत्ति</li> <li>संयुक्त परिवार संपत्ति</li> <li>मिश्रित संपत्ति</li> </ol>
64.	<p>In a coparcenary under Mitakshara law, what happens to the interest of a deceased coparcener who dies intestate after the 2005 amendment?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>It devolves by intestate succession under the Hindu Succession Act, 1956</li> <li>It passes only to male members by survivorship</li> <li>It is equally distributed among all coparceners</li> <li>It escheats to the government</li> </ol> <p>मिताक्षर विधि के अंतर्गत सहदायिकी में, यदि 2005 के संशोधन के बाद किसी सहदायिक की मृत्यु बिना वसीयत के हो जाती है तो, मृत सहदायिक के हिस्से का क्या होगा ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>यह हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निर्वसीयत उत्तराधिकृत होगी।</li> <li>यह उत्तरजीविता के अनुसार केवल पुरुषों को अंतरित होगी</li> <li>यह सभी सहदायिकों में बराबर बाँटी जायेगी</li> <li>यह सरकार की सम्पत्ति हो जाती है</li> </ol>
65.	<p>Under Mitakshara law, which of the following statements regarding the right of a posthumous child (born after the father's death) is correct?</p>

	<p>a) A posthumous child has no right in coparcenary property</p> <p>b) A posthumous son has the same coparcenary rights as if he were born before the father's death</p> <p>c) A posthumous son can claim property only if partition has not occurred</p> <p>d) A posthumous son can only inherit if named in the will</p> <p>मिताक्षर कानून के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन सा कथन मरणोपरांत जन्में (पिता की मृत्यु के बाद जन्में) शिशु के अधिकार के बारे में सही है ?</p> <p>a) मरणोपरांत जन्में शिशु का सहदायिकी सम्पत्ति में कोई अधिकार नहीं होता है।</p> <p>b) पिता के मरणोपरांत जन्में शिशु का वही सहदायिकी अधिकार रहता है जो उसके जन्म के बाद पिता की मृत्यु होने पर होता है।</p> <p>c) पिता के मरणोपरान्त जन्मा शिशु सम्पत्ति का दावा केवल तभी कर सकता है यदि इसका विभाजन न हुआ हो</p> <p>d) पिता के मरणोपरांत जन्मा शिशु तभी उत्तराधिकारी हो सकता है यदि उसका नाम वसीयत में हो</p>
66.	<p>If a Hindu joint family consists of a father and three sons, and the father dies intestate before 2005, how is the property distributed under Mitakshara law?</p> <p>a) By survivorship among the three sons, with the father's interest merging into the coparcenary</p> <p>b) The father's share is equally divided among all legal heirs, including daughters</p> <p>c) The property is divided into four equal parts</p> <p>d) The entire property goes to the eldest son</p> <p>यदि एक हिन्दू संयुक्त परिवार में एक पिता और तीन पुत्र हैं और पिता की वर्ष 2005 से पहले निर्वसीयत मृत्यु हो जाती है, तो मीताक्षर कानून के अंतर्गत सम्पत्ति का बंटवारा कैसे किया जाता है ?</p> <p>a) उत्तरजीविता के अनुसार तीनों पुत्रों में, जिसमें पिता के हिस्से को सहदायिकी में विलय कर लिया गया है</p> <p>b) पिता का हिस्सा सभी विधिक उत्तराधिकारियों में बांटा जाएगा, जिसमें पुत्री भी शामिल है</p> <p>c) सम्पत्ति को चार बराबर भागों में बाँटा जाएगा</p> <p>d) पूरी सम्पत्ति सबसे बड़े पुत्र के पास चली जाएगी</p>
67.	<p>Rahul, a Hindu governed by Mitakshara law, has three sons. He transfers an ancestral property through a gift deed to his friend without legal necessity or consent from his sons. The sons challenge the transfer in court. What is the likely outcome?</p> <p>a) The transfer is valid and cannot be challenged</p> <p>b) The transfer is voidable at the option of the sons</p> <p>c) The transfer is automatically void without any legal recourse</p>

	<p>d) The sons must wait for their father's death to challenge the gift</p> <p>राहुल, जो कि मिताक्षर कानून के अंतर्गत आने वाला एक हिन्दू है, के तीन पुत्र हैं। उसने बिना कानूनी सलाह के अथवा बिना अपने पुत्रों की सलाह से अपनी एक पैतृक सम्पत्ति अपने एक मित्र को दान के रूप में अंतरित कर दी। पुत्र अंतरण को न्यायालय में चुनौती देते हैं। इसका सम्भवतः परिणाम क्या होगा ?</p> <p>a) अंतरण वैध है और इसे चुनौती नहीं दी जाएगी</p> <p><b>b) अंतरण पुत्रों के विकल्प पर अमान्य है</b></p> <p>c) अंतरण बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के स्वतः अमान्य है</p> <p>d) पुत्रों को, दान को चुनौती देने के लिए अपने पिता की मृत्यु की प्रतीक्षा करनी चाहिए</p>
68.	<p>After the death of her father in 2010, Meena, a daughter, claims a share in the joint family property under Mitakshara law. However, her brothers argue that since the property was partitioned in 2003, she has no right. What is the correct legal position?</p> <p>a) <b>She can claim her share only if partition occurred after 2005</b></p> <p>b) She can claim her share even if partition was before 2005 as the claim was made after the death of her father in 2010.</p> <p>c) She has no right in any circumstance under Mitakshara Law.</p> <p>d) She can only claim maintenance from the property.</p> <p>2010 में अपने पिता की मृत्यु के बाद पुत्री मीना, मिताक्षर कानून के अंतर्गत, संयुक्त परिवार की संपत्ति में एक हिस्से का दावा करती है। जबकि उसके भाई तर्क देते हैं कि चूँकि सम्पत्ति का विभाजन 2003 में हुआ था अतः उसका कोई अधिकार नहीं है। सही कानूनी स्थिति क्या होगी ?</p> <p>a) <b>वह अपने हिस्से का दावा तभी कर सकती है जब बँटवारा 2005 के बाद हुआ हो।</b></p> <p>b) वह अपने हिस्से का दावा, 2005 के पूर्व हुए बटवारे पर भी कर सकती है क्योंकि यह दावा 2010 में उसके पिता की मृत्यु के बाद किया है।</p> <p>c) मिताक्षरा विधि में उसे किसी भी परिस्थिति में कोई अधिकार नहीं है।</p> <p>d) वह सम्पत्ति से केवल भरण-पोषण का दावा कर सकती है।</p>
69.	<p>A transfer by a Mitakshara Coparcener of his undivided interest in the joint family by a gift is</p> <p><b>a) Void ab-initio</b></p> <p>b) Voidable at interest of the donor</p> <p>c) Voidable at the instance of the other coparceners</p> <p>d) Valid</p>

	<p>एक मिताक्षर सहदायी द्वारा संयुक्त परिवार में उसके अविभाजित हिस्से का उपहार के रूप दान:-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>आदितः अमान्य</li> <li>दाता की रुचि के आधार पर अमान्य</li> <li>दूसरे सहदायियों के कहने पर अमान्य</li> <li>वैध है</li> </ol>
70.	<p>Father under Mitakshara Law</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Has the power to alienate his son's share , after the partition between him and his son, if the alienation is in respect of debt contracted before partition</li> <li>Has the power to alienate his son's share, after a partition between him and his son, if the alienation is in respect of a debt contacted after partition.</li> <li>Has no power to alienate his son's share, after a partition between him and his son, even though the alienation is in respect of a debt contracted before partition.</li> <li>Both (a) and (b)</li> </ol> <p>मिताक्षर विधि के तहत, एक पिता-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>को अपने और अपने पुत्र के बीच विभाजन करने के बाद, अपने पुत्र के भाग को अन्यसंक्रांत करने का अधिकार है; यदि यह अन्यसंक्रामण विभाजन से पूर्व लिये गये ऋण से संबंधित हो।</li> <li>को अपने और अपने पुत्र के बीच विभाजन करने के बाद, अपने पुत्र के भाग को अन्यसंक्रांत करने का अधिकार है; यदि वह अन्यसंक्रामण विभाजन के बाद लिये गये ऋण से संबंधित हो</li> <li>यद्यपि यह अन्यसंक्रामण, विभाजन से पहले लिये गये ऋण से संबंधित हो; तो भी अपने और अपने पुत्र के बीच विभाजन करने के बाद, अपने पुत्र के भाग को अन्यसंक्रांत करने का अधिकार नहीं है।</li> <li>उपर्युक्त (a) तथा (b) दोनों</li> </ol>
71.	<p>When alienation is made by the manager without legal necessity but with the consent of all other coparceners, they being all adult is</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Void ab initio</li> <li>Void to the extent of the share of other coparceners</li> <li>Valid in its entirety</li> <li>Voidable at the instance of the coparceners</li> </ol> <p>जब प्रबंधक द्वारा बिना किसी कानूनी आवश्यकता के परन्तु सभी सहदायियों के मशविरे से और सभी सहदायिक व्यस्क होते हुए अन्य</p>

	<p>संक्रामण किया जाता है, तो यह माना जायेगा: कि यह-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>आदित: अमान्य है</li> <li>अन्य सहदायियों के हिस्से की सीमा तक अमान्य है</li> <li><b>अपनी पूर्णता में वैध है</b></li> <li>सहदायियों के कहने पर अमान्य है</li> </ol>
72.	<p>What is the rule of devolution of coparcenary property under Mitakshara Law in case of a coparcener's death without a will?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>The property is inherited by the deceased coparcener's heirs</li> <li><b>The property devolves by survivorship among the remaining coparceners</b></li> <li>The property is sold and the proceeds are distributed among the remaining coparceners and heirs of the deceased coparcener</li> <li>The property remains unaffected</li> </ol> <p>यदि एक सहदायी की मृत्यु बिना वसीयत के हो जाती है तो मिताक्षर कानून के अंतर्गत सहदायी सम्पत्ति के न्यागमन का क्या नियम है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सम्पत्ति मृत सहदायी के उत्तराधिकारी को विरासत में प्राप्त हो जाती है।</li> <li><b>सम्पत्ति, उत्तरजीविता के आधार पर बचे हुए सहदायियों में न्यागमित हो जाती है।</b></li> <li>सम्पत्ति बेच दी जाती है और प्राप्तियों को मृत सहदायी के बचे हुए सहदायियों एवं उत्तराधिकारियों में बाँट दिया जाता है।</li> <li>सम्पत्ति अप्रभावित रहती है।</li> </ol>
73.	<p>When a minor coparcener files a suit for partition through the guardianship or the next friend and the court finds the partition being for the welfare of the minor, the partition/severance of status takes place from the date</p> <ol style="list-style-type: none"> <li><b>Of the institution of the suit.</b></li> <li>Of the Court's order</li> <li>Fixed by the Court.</li> <li>Agreed upon by the parties.</li> </ol> <p>जब एक अवयस्क सहदायी अभिभावकी अथवा अगले मित्र के जरिए बँटवारे के लिए एक वाद दाखिल करता है और न्यायालय बँटवारे को अवयस्क के हित में पाता है, तो बँटवारा कौन सी तारीख प्रवृत्त होगा ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li><b>वाद के स्थापन की तारीख से</b></li> <li>न्यायालय के आदेश की तारीख से</li> <li>न्यायालय द्वारा निश्चित किए जाने की तारीख से</li> <li>पार्टी द्वारा सहमति की तारीख से</li> </ol>
74.	<p>Who amongst the following has a right to challenge the alienation of joint Hindu</p>

	<p>property</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) A coparcener in the womb at the time of alienation.</li> <li>b) A coparcener conceived and born, after the alienation</li> <li>c) An adopted son, adopted after the alienation</li> <li>d) All the above</li> </ul> <p>निम्नलिखित में से किसे संयुक्त हिंदू संपत्ति के हस्तांतरण को चुनौती देने का अधिकार है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) अलगाव के समय गर्भ में एक सहदायिक।</li> <li>b) अलगाव के बाद एक सहदायिक का गर्भधारण और जन्म।</li> <li>c) एक दत्तक पुत्र, अलगाव के बाद गोद लिया गया।</li> <li>d) उपरोक्त सभी।</li> </ul>
75.	<p>In relation to fire-proof boxes under Section 16 of The Registration Act 1908, which of the following is NOT a responsibility of the State Government?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Providing a fire-proof box for the office of every Registrar.</li> <li>b) Ensuring the safe custody of registration records at the district level.</li> <li>c) Monitoring daily transactions recorded in registration books.</li> <li>d) Making suitable provisions for document security within the district.</li> </ul> <p>पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 16 के अंतर्गत आने वाले अग्निरोधक बक्सों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सी जिम्मेवारी राज्य सरकार की नहीं है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) हर रजिस्ट्रार के कार्यालय के लिए एक अग्निरोधी बक्सा प्रदान करना</li> <li>b) जिलास्तर पर पंजीकरण अभिलेखों की संरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना</li> <li>c) पंजीकरण पुस्तिका में अभिलेखित लेन देन की दैनिक निगरानी करना</li> <li>d) जिले के अंदर दस्तावेज सुरक्षा के लिए उपयुक्त प्रावधान बनाना</li> </ul>
76.	<p>As per Section 17 of the Registration Act, 1908, which of the following documents is NOT required to be compulsorily registered?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Instruments of gift of immovable property</li> <li>b) A lease of immovable property for five years with an annual rent of ₹100</li> <li>c) A non-testamentary instrument that extinguishes a vested interest in immovable property valued at ₹200</li> <li>d) A decree of a court that creates an interest in immovable property worth</li> </ul>



	<p>₹1,000</p> <p>पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 17 के अनुसार, निम्नलिखित में से किस दस्तावेज के अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>अचल सम्पत्ति के उपहार के प्रपत्र</li> <li>अचल सम्पत्ति को पांच वर्ष के लिए 100 रुपये वार्षिक भारक की दर से पट्टे पर दिया जाना</li> <li>एक गैर वसीयती प्रपत्र जो कि 200 रुपये की कीमत वाली अचल सम्पत्ति में निहित हित को निर्वापित करता हो</li> <li>न्यायालय की एक डिक्री जिससे रु. 1000/- के मूल्य की अचल संपत्ति में कोई हित उत्पन्न होता हो</li> </ol>
77.	<p>Which of the following must be registered if executed after the commencement of the Registration and Other Related Laws (Amendment) Act, 2001 ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>A document containing a contract to transfer immovable property under Section 53A of the Transfer of Property Act, 1882</li> <li>A testamentary instrument related to an immovable property</li> <li>A lease for a period of six months</li> <li>A memorandum of understanding for a property transaction</li> </ol> <p>निम्नलिखित में से किसे पंजीकृत किया जाना आवश्यक है, यदि यह पंजीकरण तथा अन्य संबंधित विधि (संशोधित) अधिनियम, 2001 के जारी होने के बाद कार्यान्वित हुए हो ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>एक दस्तावेज, जिसमें सम्पत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 53A के अधीन अचल संपत्ति के अंतरण की संविदा शामिल हो</li> <li>किसी अचल संपत्ति से संबंधित एक वसीयती प्रपत्र</li> <li>छः माह की अवधि का एक पट्टा</li> <li>सम्पत्ति के लेन-देन का एक सहमति पत्र</li> </ol>
78.	<p>Which of the following remains valid and enforceable even if it is not registered as per The Registration Act 1908?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>A will bequeathing a house</li> <li>A gift deed transferring ancestral property</li> <li>A family settlement involving real estate ownership</li> <li>A memorandum of understanding stating future intent to sell property</li> </ol> <p>निम्नलिखित में से कौन सा पंजीकरण अधिनियम, 1908 के अनुसार पंजीकृत न होने पर भी वैध एवं प्रवर्तनीय है ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>एक घर को वसीहत में देने संबंधी एक विल</li> <li>पैतृक संपत्ति का अंतरण करने वाला एक उपहार विलेख</li> </ol>

	<p>c) अचल संपत्ति से संबंधित एक पारिवारिक समझौता</p> <p>d) संपत्ति के भावी कय की मंशा संबंधी एक सहमति पत्र</p>
79.	<p>Who is entitled to present a will for registration under Section 40 of The Registration Act 1908 after the testator's death?</p> <p>a) Any legal heir of the testator</p> <p>b) Any person claiming as executor or otherwise under the will</p> <p>c) Any Sub-Registrar in whose jurisdiction the will was executed</p> <p>d) Only a registered attorney of the testator</p> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 40 के तहत वसीयतकर्ता की मृत्यु के पश्चात वसीयत को पंजीकरण हेतु प्रस्तुत करने के लिए कौन अधिकृत है ?</p> <p>a) वसीयतकर्ता का कोई भी कानूनी वारिस</p> <p>b) वसीयत में उल्लिखित निष्पादक या अन्य कोई व्यक्ति</p> <p>c) कोई उप रजिस्ट्रार जिनकी अधिकारिता में वसीयत निष्पादित की गई हो</p> <p>d) केवल वसीयतकर्ता का पंजीकृत अटर्नी</p>
80.	<p>Consider the following statements regarding the registration and deposit of wills under The Registration Act, 1908:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1) A Registrar is required to register a will if it is presented by the testator during his lifetime.</li> <li>2) A sealed will deposited with a Registrar can be withdrawn only by the testator or an authorized agent.</li> <li>3) If a court orders the production of a will, the Registrar must directly send the original document to the court.</li> <li>4) A Registrar must record details of a deposited will in Register Book No. 5.</li> </ol> <p>Which of the statements are correct?</p> <p>a) 1, 2, and 3 only</p> <p>b) 1, 2, and 4 only</p> <p>c) 2, 3, and 4 only</p> <p>d) 1, 3, and 4 only</p> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के तहत पंजीकरण तथा विलों के निक्षेप से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1) यदि वसीयतकर्ता अपने जीवनकाल के दौरान वसीयत प्रस्तुत करता है तो रजिस्ट्रार द्वारा विल पंजीकृत की जानी अपेक्षित है।</li> <li>2) रजिस्ट्रार के पास जमा एक मुहरबंद वसीयत को केवल</li> </ol>

	<p>वसीयतकर्ता या उसका प्राधिकृत अभिकर्ता ही वापिस ले सकता है।</p> <p>3) यदि न्यायालय वसीयत को पेश करने का आदेश देता है, तो रजिस्ट्रार को मूल दस्तावेज़ सीधे न्यायालय को भेजना चाहिए।</p> <p>4) रजिस्ट्रार को निक्षिप्त विल के ब्यौरे को रजिस्टर बुक सं. -5 में अवश्य अभिलिखित करना चाहिए</p> <p>कौन से कथन सही हैं ?</p> <p>a) केवल 1, 2 और 3</p> <p><b>b) केवल 1, 2 और 4</b></p> <p>c) केवल 2, 3 और 4</p> <p>d) केवल 1, 3 और 4</p>
81.	<p>A testator deposits his will with the Registrar in a sealed cover under Section 42 of The Registration Act 1908. After his death, his son applies for the will to be opened. What will the Registrar do under Section 45 of The Registration Act 1908?</p> <p>a) Hand over the sealed cover to the applicant without opening it.</p> <p><b>b) Open the sealed cover in the applicant's presence, copy the will into Register Book No. 3, and then re-deposit the original will.</b></p> <p>c) Send the will directly to the District Court for validation.</p> <p>d) Destroy the will if no executor is mentioned.</p> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 42 के तहत, वसीयतकर्ता ने अपनी विल एक मुहरबंद लिफाफे में रजिस्ट्रार को जमा की। उनकी मृत्यु उपरांत उसके बेटे ने विल को खोलने के लिए आवेदन किया। पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 45 के तहत, रजिस्ट्रार क्या करेगा ?</p> <p>a) मुहरबंद लिफाफा बिना खोले आवेदक को सुपुर्द कर दे।</p> <p><b>b) आवेदक की उपस्थिति में मुहरबंद लिफाफे को खोलें, रजिस्टर बुक सं.-3 में विल की प्रविष्टि करे तथा मूल विल को फिर से जमा कर दें।</b></p> <p>c) विधिमान्यकरण हेतु विल को सीधे जिला न्यायालय भेजें।</p> <p>d) यदि निष्पादक का उल्लेख न हो तो विल को नष्ट कर दें।</p>
82.	<p>As per Section 43 of The Registration Act 1908, when can a will deposited with the Registrar be withdrawn?</p> <p>a) Only after the testator's death</p> <p><b>b) Only by the testator during his lifetime</b></p> <p>c) By any person named as an executor</p> <p>d) By the legal heirs of the testator</p> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 43 के अनुसार रजिस्ट्रार के पास जमा विल को कब वापिस लिया जा सकता है ?</p>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>a) केवल वसीयतकर्ता की मृत्यु उपरांत</li> <li>b) केवल वसीयतकर्ता द्वारा अपने जीवनकाल के दौरान</li> <li>c) किसी भी व्यक्ति द्वारा जिसे निष्पादक नामित किया हो</li> <li>d) वसीयतकर्ता के कानूनी वारिसों द्वारा</li> </ul>
83.	<p>Which of the following is NOT a requirement before a document can be registered under Section 60 of the Registration Act, 1908?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Compliance with Sections 34, 35, 58, and 59 (as applicable)</li> <li>b) Payment of stamp duty under the Indian Stamp Act</li> <li>c) Endorsement of a certificate by the registering officer</li> <li>d) Entry of the document's details in the appropriate register</li> </ul> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 60 के तहत किसी दस्तावेज के रजिस्ट्रीकरण से पहले निम्नलिखित में से किसकी आवश्यकता नहीं है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) धारा 34, 35, 58 तथा 59 का अनुपालन (जैसा भी लागू हो)</li> <li>b) भारतीय स्टाम्प अधिनियम के तहत स्टाम्प शुल्क का भुगतान</li> <li>c) पंजीकरण अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र का पृष्ठांकन</li> <li>d) दस्तावेज के ब्यौरों की समुचित रजिस्टर में प्रविष्टि</li> </ul>
84.	<p>Under the proviso to Section 17(1) of the Registration Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, exempt certain leases from compulsory registration. Which leases may be exempted by such an order?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Leases for exactly one year, regardless of rent amount</li> <li>b) All leases pertaining to agricultural lands, irrespective of length</li> <li>c) Leases executed by or on behalf of the government only</li> <li>d) Leases not exceeding five years in duration and with annual rent not exceeding fifty rupees</li> </ul> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा 17(1) के पंरतुक के अधीन, राज्य सरकार, सरकारी राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा कुछ पट्टों को अनिवार्य पंजीकरण से छूट दे सकती है। इस प्रकार के आदेश द्वारा कौन से पट्टे छूट प्राप्त हैं ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) किराया राशि कुछ भी देते हुए, ठीक एक वर्ष के लिए दिये गये पट्टे।</li> <li>b) समयावधि कुछ भी होते हुए, कृषि भूमि से संबंधित सभी पट्टे।</li> <li>c) केवल सरकार द्वारा या सरकार की ओर से निष्पादित पट्टे</li> <li>d) पांच वर्ष से अनधिक अवधि तथा रु. 50/- से अनधिक वार्षिक भाटक के पट्टे।</li> </ul>

85.	<p>A debenture issued by a company, which does not itself create or transfer any interest in immovable property (apart from the security afforded by a duly registered mortgage or trust deed), is:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) <b>Not required to be registered under the Registration Act, 1908</b></li> <li>b) Compulsorily registrable as it involves an interest in the company's assets</li> <li>c) Invalid for want of registration under Section 17(1)</li> <li>d) Required to be registered only if its value exceeds one hundred rupees</li> </ul> <p>किसी कंपनी द्वारा जारी किया गया एक डिबेंचर, जो कि अचल संपत्ति पर न तो कोई हित सृजित या अंतरित करता हो (एक विधिवत् पंजीकृत बंधकपत्र या न्यास डीड की सुरक्षा के सिवाय), क्या है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) <b>पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत पंजीकरण आवश्यक नहीं है।</b></li> <li>b) अनिवार्यतः पंजीकरण योग्य, क्योंकि इसमें कंपनी की परिसंपत्तियों का हित निहित है।</li> <li>c) धारा 17(1) के तहत पंजीकरण के अभाव के कारण अवैध।</li> <li>d) पंजीकरण की आवश्यकता केवल तभी होगी यदि इसका मूल्य रु. 100/- से अधिक होगा।</li> </ul>
86.	<p>A will deposited under Section 42 of Indian registration act, 1908, must be delivered to the proper officer. According to that section, a will can be deposited in a sealed cover only with:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Any Sub-Registrar having jurisdiction over the place where the will was executed</li> <li>b) <b>A Registrar (of a district or presidency town)</b></li> <li>c) A Judge or Magistrate designated by the State Government</li> <li>d) The testator's lawyer or agent, who then informs the Registrar</li> </ul> <p>भारतीय पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 42 के तहत जमा की गई विल को समुचित अधिकारी को सौंपा जाना चाहिए। उक्त धारा के अनुसार एक विल मुहरबंद लिफाफे में केवल इनके पास ही जमा की जा सकती है-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) कोई उप रजिस्ट्रार जिनका उस स्थान पर क्षेत्राधिकार हो जहाँ विल निष्पादित की गई।</li> <li>b) <b>रजिस्ट्रार (ज़िले का या प्रेसिडेंसी नगर का)</b></li> <li>c) न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट जिन्हें राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया हो</li> <li>d) वसीयतकर्ता का वकील या अभिकर्ता जो तत्पश्चात रजिस्ट्रार को सूचित करे</li> </ul>

87.	<p>Section 48 of registration act 2008 implies that</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>All non-testamentary documents duly registered under this Act, and relating to any property, whether movable or immovable, shall take effect against any order agreement or declaration relating to such property, unless where the agreement or declaration has been accompanied or followed by delivery of possession [and the same constitutes a valid transfer under any law for the time being in force:</li> <li>Provided that a mortgage as defined in section 58 of the Transfer of Property Act, 1882 (4 of 1882), shall take effect against any mortgage-deed subsequently executed and registered which relates to the same property.]</li> <li>Both (a) &amp; (b) is are correct.</li> <li>None of the above</li> </ol> <p>रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2008 की धारा 48 में निहित है कि:-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>वे सब निर्वसीयती दस्तावेज़ जो इस अधिनियम के अधीन सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत हैं और किसी भी संपत्ति से, चाहे जंगम हो या स्थावर, संबंधित है ऐसी संपत्ति से संबंधित किसी मौखिक करार या घोषणा के मुकाबले में, उस दशा के सिवाय प्रभावशील होंगी जिसमें करार या घोषणा के साथ या उसके अनुसरण में कब्जे का परिदान हो गया हो [और वह किसी भी तत्समय-प्रवृत्त विधि के अधीन विधिमान्य अंतरण गठित करता है।</li> <li>परन्तु संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 (1882 का 4) की धारा 58 में यथा परिभाषित हक विलखों के विक्षेप द्वारा बंधक तत्पश्चात निष्पादित और रजिस्ट्रीकृत किसी भी ऐसे बंधक विलेख के मुकाबले में, जो उसी संपत्ति से संबंधित है, प्रभावशील होगा।</li> <li>(a) तथा (b) सही है</li> <li>उपरोक्त में से कोई भी नहीं।</li> </ol>
88.	<p>According to the Right to Information Act, 2005, when disclosing third-party information what must a Central/State Public Information Officer do?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Notify the third party after disclosing information</li> <li>Give the third party written notice within 10 days and consider their submission</li> <li>Give the third party written notice within 5 days , invite a written/oral response, and consider their submission.</li> <li>Reject the request without consulting the third party</li> </ol> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार, अन्य पक्ष की सूचना प्रकट करते समय एक केन्द्रीय/राज्य जन सूचना अधिकारी को क्या करना चाहिए ?</p>

	<p>a) सूचना प्रकटीकरण के बाद अन्य पक्ष को सूचित करना</p> <p>b) अन्य पक्ष को दस दिन के भीतर लिखित नोटिस देना और उसके जवाब पर विचार करना</p> <p>c) अन्य पक्ष को पांच दिन के भीतर लिखित नोटिस देना और एक लिखित/मौखिक जवाब आमंत्रित करना और उस पर विचार करना।</p> <p>d) अन्य पक्ष से बातचीत किए बिना अनुरोध को खारिज कर देना।</p>
89.	<p>Within how many days must an appeal be filed under Right to Information Act, 2005?</p> <p>a) 15 days</p> <p>b) 60 days</p> <p>c) 30 days</p> <p>d) 90 days</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत कितने दिन के भीतर एक अपील दाखिल की जानी चाहिए ?</p> <p>a) 15 दिन</p> <p>b) 60 दिन</p> <p>c) 30 दिन</p> <p>d) 90 दिन</p>
90.	<p>Second Schedule of the RTI Act, 2005 deals with?</p> <p>a) Intelligence and security Organization established by the Central Government</p> <p>b) Intelligence and security Organization established by the Governor</p> <p>c) Both (a) and (b)</p> <p>d) Neither (a) nor (b)</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की द्वितीय अनुसूची किससे संबंधित है ?</p> <p>a) केन्द्र सरकार द्वारा प्रतिस्थापित आसूचना एवं सुरक्षा संगठन</p> <p>b) राज्यपाल द्वारा प्रतिस्थापित आसूचना एवं सुरक्षा संगठन</p> <p>c) (a) और (b) दोनों</p> <p>d) ना (a) ना ही (b)</p>
91.	<p>The first appellate authority under RTI Act should decide on first appeals.</p> <p>a) Within 30 days from the receipt of the first appeals.</p> <p>b) Within 90 days from the receipt of the first appeals.</p> <p>c) In exceptional cases within 45 days from the date of receipt of the appeal if the reasons are recorded.</p>

	<p>d) Both (a) and (c)</p> <p>RTI Act के तहत प्रथम अपीलीय प्राधिकारी को प्रथम अपील पर कितने समय में विर्णय लेना होता है ?</p> <p>a) प्रथम अपील की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर  b) प्रथम अपील की प्राप्ति के 90 दिन के भीतर  c) अपवाद स्वरूप अपील प्राप्ति की तिथि से 45 दिन के भीतर यदि कारण रिकॉर्ड किए गए हों।  d) (a) और (c) दोनों</p>
92.	<p>Who is the Chairperson of the Committee for appointing of State Information Commissioner ?</p> <p>a) Central Public Information Commissioner  b) Prime Minister  c) Chief Minister  d) Governor</p> <p>राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति करने वाली समिति का अध्यक्ष कौन होता है ?</p> <p>a) केन्द्रीय जन सूचना आयुक्त  b) प्रधानमंत्री  c) मुख्यमंत्री  d) राज्यपाल</p>
93.	<p>Please go through the statements and choose the options from below.</p> <p><b>Statement 1:</b> Third parties must be consulted before disclosing their confidential information.</p> <p><b>Statement 2:</b> Third parties can legally block the disclosure of their information under all circumstances.</p> <p><b>Options:</b></p> <p>a) Both statements are true.  b) Both statements are false.  c) Statement 1 is true, Statement 2 is false.  d) Statement 1 is false, Statement 2 is true.</p> <p>कृपया दिए गए कथनों को पढ़ें और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें।</p> <p><b>कथन 1:</b> किसी तीसरे पक्ष की गोपनीय जानकारी का खुलासा करने से पहले उससे परामर्श अवश्य किया जाना चाहिए।</p> <p><b>कथन 2:</b> तृतीय पक्ष कानूनी रूप से सभी परिस्थितियों में अपनी जानकारी के प्रकटीकरण को रोक सकते हैं।</p>



	<p>विकल्प:</p> <p>a) दोनों कथन सत्य हैं।</p> <p>b) दोनों कथन असत्य हैं।</p> <p>c) कथन 1 सत्य है, कथन 2 असत्य है।</p> <p>d) कथन 1 असत्य है, कथन 2 सत्य है।</p>
94.	<p>Under Section 2(h), which of the following is considered a "Public Authority"?</p> <p>a) Private companies</p> <p>b) NGOs substantially financed by government funds</p> <p>c) Foreign embassies</p> <p>d) Political parties</p> <p>धारा 2(h) के तहत निम्नलिखित में से किसे “जन प्राधिकारी” माना जाता है ?</p> <p>a) निजी कंपनियों को</p> <p>b) प्रमुख रूप से सरकारी फंड से वित्त पोषित गैर-सरकारी संगठनों को</p> <p>c) विदेशी दूतावास</p> <p>d) राजनीतिक पार्टियां</p>
95.	<p>What is the time limit for providing information under Section 7(1) of the RTI Act?</p> <p>a) Within 15 days for all requests</p> <p>b) Within 30 days for general requests and within 48 hours if it concerns life or liberty</p> <p>c) Within 60 days for all requests</p> <p>d) Within 9 days for sensitive information and 72 hours if it concerns life or liberty</p> <p>सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 7(1) के तहत सूचना प्रदान करने की समय सीमा क्या है ?</p> <p>a) सभी प्रकार के अनुरोध के लिए 15 दिन के अंदर</p> <p>b) सामान्य अनुरोध के लिए 30 दिन के भीतर और यदि जीवन या आजादी से संबंधित है तो 48 घंटे के भीतर</p> <p>c) सभी अनुरोधों के लिए 60 दिन के अंदर</p> <p>d) संवेदनशील सूचना के लिए 9 दिन के अंदर और यदि जीवन या आजादी से संबंधित है तो 72 घंटे के भीतर</p>
96.	<p>Please go through the statements and choose the options from below.</p> <p><b>Statement 1:</b> NGOs substantially financed by government funds are considered public authorities under Section 2(h).</p> <p><b>Statement 2:</b> Private companies are automatically considered public authorities.</p>

	<p>a) Both statements are true.  b) Both statements are false.  c) <b>Statement 1 is true, Statement 2 is false.</b>  d) Statement 1 is false, Statement 2 is true.</p> <p>कृपया दिए गए कथनों को पढ़ें और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें।</p> <p>कथन 1: धारा 2(h) के तहत प्रमुख रूप से सरकारी फंड से वित्त पोषित गैर-सरकारी संगठनों को प्राधिकारी माना जाता है।</p> <p>कथन 2: निजी कंपनियां स्वतः ही जन प्राधिकारी मानी जाती हैं।</p> <p>a) दोनों कथन सही हैं।  b) दोनों कथन गलत हैं।  c) <b>कथन 1 सही है, कथन 2 गलत है।</b>  d) कथन 1 गलत है, कथन 2 सही है।</p>
97.	<p>What happens if part of a record requested under RTI contains exempted information?</p> <p>a) The entire record is withheld from disclosure to protect sensitive data  b) <b>Only the exempted part is withheld while non-exempt parts are disclosed to the applicant</b>  c) The applicant must resubmit a revised request excluding exempted portions explicitly  d) The request is rejected automatically without explanation from the authority concerned</p> <p>क्या होता है यदि RTI के तहत अनुरोध किए गए रिकार्ड का कोई भाग छूट प्राप्त सूचना है ?</p> <p>a) संवदेशील आंकड़ों को सुरक्षित रखने के लिए पूरा रिकार्ड रोक लिया जाता है।  b) <b>केवल छूट प्राप्त भाग रोक जाया जाता है जबकि गैर-छूट प्राप्त हिस्सा आवेदक को उजागर किया जाता है।</b>  c) आवेदक को स्पष्ट रूप से छूट प्राप्त हिस्से को छोड़कर संशोधित आवेदन पुनः देना चाहिए।  d) संबंधित प्राधिकारी द्वारा बिना स्पष्टीकरण के अनुरोध स्वतः निरस्त कर दिया जाएगा।</p>
98.	<p>Please go through the statements and choose the options from below.</p> <p><b>Statement 1:</b> Personal information can always be denied under the RTI Act to protect privacy.</p> <p><b>Statement 2:</b> Personal information may be disclosed if it relates to a public activity</p>

	<p>and serves the larger public interest.</p> <p>Options:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Both statements are true.</li> <li>b) Both statements are false.</li> <li>c) <b>Statement 1 is false, Statement 2 is true.</b></li> <li>d) Statement 1 is true, Statement 2 is false.</li> </ul> <p>कृपया कथनों को पढ़ें और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें:</p> <p><b>कथन 1:</b> सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत निजता की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत सूचना उपलब्ध करवाने के लिए सर्वथा मना किया जा सकता है।</p> <p><b>कथन 2:</b> व्यक्तिगत सूचना को उजागर किया जा सकता है, यदि वह सार्वजनिक गतिविधि से संबंधित हो और यह जनहित में हो।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) दोनों कथन सही हैं</li> <li>b) दोनों कथन गलत हैं</li> <li>c) <b>कथन 1 गलत है जबकि कथन 2 सही है।</b></li> <li>d) कथन 1 सही है जबकि कथन 2 गलत है।</li> </ul>
99.	<p>Please go through the statements and choose the options from below.</p> <p><b>Statement 1:</b> Copyrighted material cannot be disclosed under the RTI Act without the owner's consent.</p> <p><b>Statement 2:</b> Copyright protection overrides all public interest considerations under the RTI Act.</p> <p>Options:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Both statements are true.</li> <li>b) Both statements are false.</li> <li>c) <b>Statement 1 is true, Statement 2 is false.</b></li> <li>d) Statement 1 is false, Statement 2 is true.</li> </ul> <p>कृपया दिए गए कथनों को पढ़ें और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें।</p> <p><b>कथन 1:</b> सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कॉपीराइट सामग्री को मालिक की सहमति के बिना उजागर नहीं किया जा सकता।</p> <p><b>कथन 2:</b> कॉपीराइट संरक्षण, सूचना का अधिकार अधिनियम के सभी जनहित विचारों पर अधिभावी है।</p> <p>विकल्प:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) दोनों कथन सही हैं।</li> <li>b) दोनों कथन गलत हैं।</li> <li>c) <b>कथन 1 सही है, कथन 2 गलत है।</b></li> </ul>

	d) कथन 1 गलत है, कथन 2 सही है।
100.	<p>Under Section 107 of the Transfer of Property Act, which of the following statements is correct regarding the creation of leases?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) Leases exceeding one year or with yearly rent must be registered, while leases for shorter periods can be oral or registered, with or without possession.</li> <li>b) Leases of immovable property for over one year or with a yearly rent must be made through oral agreements only, while shorter leases can be registered.</li> <li>c) All leases, regardless of duration or rent, must be made by a registered instrument, unless otherwise specified by state notification.</li> <li>d) Leases for more than one year, or with yearly rent, are valid by oral agreement alone, while shorter leases must always be registered.</li> </ul> <p>संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 107 के तहत, 'पट्टों' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है ?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a) एक वर्ष से अधिक अवधि या वार्षिक भाटक के पट्टों को रजिस्ट्रीकृत करवाया जाना आवश्यक है, जबकि इससे कम अवधि के पट्टे मौखिक या पंजीकृत, कब्जा सहित या कब्जा रहित हो सकते हैं।</li> <li>b) एक वर्ष से अधिक अवधि वाले या वार्षिक भाटक वाले स्थावर संपत्ति के पट्टा, केवल मौखिक समझौते के माध्यम से ही किया जाएगा; जबकि कम अवधि वाले पट्टे रजिस्ट्रीकृत हो सकते हैं।</li> <li>c) जब तक कि राज्य अधिसूचना के माध्यम से अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए, सभी पट्टे उनकी अवधि या भाटक को ध्यान में न रखते हुए, रजिस्ट्रीकृत लिखित द्वारा किये जाएंगे।</li> <li>d) एक वर्ष से अधिक किसी अवधि या वार्षिक भाटक वाले पट्टे केवल मौखिक समझौते से ही मान्य होंगे, जबकि कम समयावधि के पट्टे आवश्यक रूप से रजिस्ट्रीकृत किये जाएंगे।</li> </ul>

\*\*\*\*\*